कोटद्वार,सोमवार
15 जनवरी 2024
वर्षः 45
अंकः 254 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तरायणी पर्व के सुअवसर पर कैंची धाम, नैनीताल से प्रदेश में "सांस्कृतिक उत्सव" का हुआ आगाज

सीएम ने राम भक्ति में लीन होकर की राम भजनों की स्तुति

देहरादून। प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों और प्रतिष्ठानों में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। रविवार को कैंची धाम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में "सांस्कृतिक उत्सव" का शुभारंभ किया। उन्होंने कैंचीधाम और घोड़ाखाल मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाकर जन जन को इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। सर्वप्रथम उन्होंने कैंची धाम में राम शिला की साफ सफाई कर पूजा अर्चना की। फिर कैंची धाम मंदिर परिसर में आयोजित राम भजन कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। रामभक्ति में लीन होकर राम भजनों की स्तुति की।

मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व कैंची धाम में नीब करौरी बाबा की पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति, एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंचीधाम में आए भक्तों को प्रसाद वितरण किया। साथ ही विभिन्न प्रदेशों से आए लोगों से सरकार की कार्यप्रणाली के बारे में फीडबैक भी लिया। स्वच्छता अभियान में शामिल पर्यावरण मित्रों के कार्यों की सराहना करते

हुए उनसे बातचीत की। मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों, स्वयं सहायता समूह, ग्राम प्रधानों एवं पर्यावरण मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक दिन होगा। इस दिन शुभमुहूर्त में रामलला अयोध्या में विराजमान होंगे, जो कि हमारे देश के लिए एक शुभ समय और संकेत है। लंबे वर्षों के इंतजार के बाद रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे है।

इस उपलक्ष्य पर राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जन सहभागिता से सांस्कृतिक उत्सव और समस्त धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

अब कैंची धाम की मान्यता वैश्विक पटल तक पहुंच पहुंच गई है। हर रोज कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। भक्तों की आस्था, भाव और आने वाले पांच दशकों में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन करते हुए सरकार कैंची धाम का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। कैंची धाम मास्टर प्लान से आने वाले समय में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ेगा और सरकार की आर्थिकी सुदृढ़ होगी। रविवार को कैंची धाम पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का महिलाओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस दौरान सीएम धामी ने 24.68 करोड़ की लागत के शिलान्यास किए। जिसमें सैनिटोरियम से सिरोड़ी मार्ग का सुधारीकरण और डामरीकरण के लिए 1214.71 लाख,सैनिटोरियम से नैनीबैंड तक भवाली का निर्माण कार्य सुधारीकरण और डामरीकरण के लिए 1162.32 लाख, कैंची हरतपा – हली मोटर मार्ग का नाम परिवर्तन कर शहीद लांस नायक संजय बिष्ट मार्ग का और नगर निगम हल्द्वानी वार्ड 54 में नीम के पेड़ से प्रताप सिंह बिष्ट के घर तक मार्ग का सुधारीकरण के लिए 90.65 लाख का शिलान्यास किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक नैनीताल सरिता आर्य, भीमताल राम सिंह कैड़ा, रानीखेत प्रमोद नैनवाल, मंडी बोर्ड अध्यक्ष डा अनिल डब्बू, पेयजल अनुश्रवण समिति अध्यक्ष दिनेश आर्य, जिला महामंत्री रंजन बरगली, नवीन भट्ट, प्रकाश हरबोला, डीआईजी योगेंद्र सिंह रावत, जिलाधिकारी वंदना सिंह, एसएसपी पी.एन मीना, एडीएम पी आर चौहान, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा शुरू', मणिपुर के हालात को लेकर पीएम मोदी पर साधा निशाना

थोबल, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कड़ा हमला करते हुए रविवार को कहा कि मणिपुर की हिंसा ने यहां के लोगों के मूल्यों को नुकसान पहुंचाया है और यह घटनाएं भाजपा–आरएसएस की नफरत की राजनीति का प्रतीक बन गई है, इसलिए मणिपुर के मूल्यों को फिर स्थापित करने के लिए वह इस राज्य से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरु कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आज इंफाल से करीब 50 किलोमीटर दूर शहीद स्मारक खोंगजोंग से दक्षिण से उत्तर को हुई भारत जोड़ो यात्रा के अगली चरण के रूप में पूरब से पश्चिम के लिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत के मौके पर यहां विशाल जनसभा को संबोधित करते

हुए कहा कि मणिपुर की घटनाओं ने यहां के मूल्यों को नष्ट किया है और यहां हुई हिंसा के कारण कई घर तबाह हुए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों के आंसू पोंछने के लिए एक बार भी मणिपुर नहीं आए।

उन्होंने कहा कि मणिपुर के जो हालात बने हैं वह भाजपा–आरएसएस की राजनीति की नफरत का प्रतीक है। मणिपुर के हालात भाजपा के दृष्टिकोण और विचारधारा का प्रतीक है। भाजपा ने 10 साल में देश की जनता के साथ अन्याय किया है इसलिए वह मणिपुर से न्याय यात्रा शुरु कर रहे हैं। राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "आप लोगों ने उन मूल्यों को खो दिया है जिसे आपने महत्व दिया लेकिन जिसे आपने महत्व दिया हम उसे एक बार फिर खोजेंगे और ढूंढकर इसे आपके पास वापस लाएंगे। हम यहां के लोगों के दर्द को समझते हैं। हमें आपके दुख–दर्द का एहस-ास है, इसलिए हम आपसे वादा करते हैं कि हम वह सब वापस लाएंगे जिसे आपने महत्व दिया है। हम मणिपुर के लोगों के खोये मूल्यों– सद्भाव, शांति, स्नेह को वापस लाएंगे जो मणिपुर और यहां के लोगों की पहचान रही है।"

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के साथ होगा महायज्ञ का आयोजन

अयोध्या, एजेंसी। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य विजेन्द्र सरस्वती ने अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर का हो रहे निर्माण में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही महायज्ञ की घोषणा की है। कांची कामकोटि मठ के प्रबंधक वी. सुब्रहमण्य मणि ने आज यहां बताया कि कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य विजेन्द्र सरस्वती महाराज जी अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर के हो रहे निर्माण में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही महायज्ञ करेंगे।

उन्होंने बताया कि चालीस दिनों तक चलने वाले महायज्ञ की शुरुआत भव्य और दिव्य रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अर्थात् बाईस जनवरी को शंकराचार्य स्वयं करेंगे। इसमें देश भर के श्रद्धालु आहुति अर्पित करने के लिए आएंगे। उन्होंने बताया कि धार्मिक उन्नति, दिव्य भारत, आरोग्य विश्व गुरू की कामना से बाईस जनवरी से सात मार्च तक महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। अयोध्या में कांची मठ प्रमोद वन में स्थित आश्रम में महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

उत्तराखंड में किसान फरवरी तक चुका सकेंगे कर्ज, करोड़ों रुपयों का बकाया भी हुआ माफ

रूद्रपुर। सहकारिता मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के आदेश के बाद प्रदेश में सहकारिता समितियां के किसानों के लिए वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम (ओटीएस) की समय अवधि 29 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में सहकारी समितियां ने मृत किसानों के ऋण का ब्याज माफ करने के लिए 8 जुलाई से एमपैक्स ओटीएस स्कीम के तहत प्रदेश भर में 31 दिसंबर तक ब्याज माफी अभियान चलाया था, लेकिन प्रदेश में वसूली का लक्ष्य पूरा न होने और मृत किसानों के परिजनों को ऋण पर लगे ब्याज से मुक्त करने के उद्देश्य से ओटीएस योजना की समय अवधि को बढ़ाया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश में 31,221 मृत किसानों पर 74 करोड़ 18 लाख 28 हजार रुपये बकाया है। सहकारिता विभाग का दिया गया यह कर्ज अब मृत किसानों के

जनपद कुल बकायेदार मृतक मूलधन ब्याज (लाख में)

पौडी गढ़वाल	4610	252.36	303.73	556.09
चमोली	2507	354.96	18.85	673.81
टिहरी गढ़वाल	3405	521.49	319.14	840.63
रुद्रप्रयाग	1069	98.78	101.86	200.64
उत्तरकाशी	3111	503.27	387.36	890.63
देहरादून	1311	425.52	248.7	674.22
हरिद्वार	6169	743.75	1064	2807.75
नैनीताल	1582	424.25	258.2	682.45
ऊधमसिंह नगर	4192	2427.86	1610.63	4038.49
चम्पावत	432	92.66	47.07	139.73
पिथौरागढ़	1383	353.84	158.32	512.16
अल्मोड़ा	1164	156.53	87.15	243.68
बागेश्वर	286	63.01	17.66	80.67
कुल योग	31221	7418.28	4922.67	12340.95

(इस तालिका के अनुसार, कुल 31221 मृतक किसानों के परिजनों से प्रदेश में अब तक 40 प्रतिशत के करीब वसूली हो पाई है।)

परिजनों से वसूला जाना है। बकाया समय पर न चुकाए जाने से अब ब्याज समेत यह राशि 123 करोड़ 40 लाख रुपये हो चुकी है। वहीं बकाया ऋण जमा न होने से मृत किसानों के परिजनों को समिति से लोन नहीं दिया जा सकता है। वहीं इस भारी–भरकम राशि को देखते हुए परिजनों को कर्ज चुकाने में राहत देने के लिए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति, एकमुश्त समाधान योजना (एमपैक्स ओटीएस) लागू की गई थी। इसके तहत मृत किसानों के परिजनों पर बकाया 49 करोड़ 22 लाख 67 हजार रुपये का ब्याज माफ करने का निर्णय लिया गया था। ब्याज माफी की रकम का 60 फीसदी वहन सहकारी समिति व 40 फीसदी वहन जिला सहकारी बैंक करेगा।

मृत किसानों से वसूली न होने के कारण समिति की बैलेंस शीट लॉस में जाती थी, लेकिन प्रदेश में पहली बार मृत किसानों के परिजनों को ओटीएस योजना का लाभ दिए जाने के बाद वसूली बढ़ी है। इसको देखते हुए फरवरी तक योजना की समय अवधि बढ़ाई गई है।

—आलोक कुमार पांडे, निबंधक, सहकारी समितियां, उत्तराखंड।

शहीद के परिवार को जल्द मिलेगी नौकरी: सीएम धामी

देहरादून। नैनीताल जिले में एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पिछले माह जम्मू कश्मीर में शहीद हुए रातीघाट निवासी लांस नायक संजय बिष्ट के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहीद संजय के परिवार के एक सदस्य को जल्द नौकरी देने का आश्वासन दिया। कहा कि शहीद संजय बिष्ट के बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कि संजय की याद में कैंची हरतपा – हली मोटर मार्ग को अब शहीद लांस नायक संजय बिष्ट मार्ग से जाना जाएगा।

गैंगरेप में फंसने का झांसा दे 5.75 लाख ठगे

देहरादून। जयपुर में एमबीबीएस कर रहे दून निवासी व्यक्ति के बेटे के जज की बेटी से गैंगरेप में फंसने का झांसा देकर 5.75 लाख रुपये जमा करवा लिए। झांसा दिया गया कि तत्काल रकम जमा कर दें। नहीं तो उनके बेटे का डीएनए टेस्ट कराने के साथ ही जेल भेजने की धमकी दी।

रकम जमा करने के बाद बुजुर्ग ने शाम को बेटे से बात की तो पता लगा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। घटना को लेकर पीपी सिंह निवासी निकट कारगी चौक ने साइबर थाने में तहरीर दी। कहा कि उनके फोन पर बीते दो जनवरी को व्हाट्सएप पर वाइस कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को जयपुर पुलिस का अफसर बताया। पीड़िता का बेटा जयपुर में एमबीबीएस की पढाई कर रहा है।

डराया कि उनके बेटा को जज की बेटी से गैंगरेप में अन्य आरोपियों के साथ पक-ड़ा गया है। आरोपी ने उनके बेटे से मिलती जुलती आवाज में किसी से बात कराई। इसके बाद झांसा दिया कि वह उनके बेटे को गैंगरेप के केस में फंसने से बचा सकता है। इस तरह झांसे में लेकर आरोपी ने अपने दिए बैंक खाते में पीड़ित से 5.75 लाख रुपये जमा करवा लिए। तब कहा कि उनके बेटे को कानूनी कार्रवाई से बचाया गया है। घटना की शाम पीपी सिंह ने अपने बेटे को फोन किया। बात हुई तो पिता ने बेटे से घटना को लेकर पूछा। इस दौरान उसने ऐसी किसी घटना होने से इंकार कर दिया।

तब पीपी सिंह फिर से परेशान हो गए। इस बीच अगले दिन सुबह फिर उक्त नंबर से पीड़ित को फोन कर और रुपये जमा करने को कहा गया। तब पीड़ित को समझ आया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए कोई उनके बेटी आवाज की कॉपी कर उन्हें साइबर ठग चूना लगा रहे हैं। संभावना है कि साइबर ठगों ने जयपुर में कहीं से उनके बेटे का डाटा चुराया। जहां से उन्हें बाप और बेटे का पता लगा। इसके बाद उन्होंने इस हरकत को अंजाम दिया। छात्र के पीड़ित पिता की तहरीर पर पटेलनगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर केके लुंठी ने बताया कि मामले में जांच कर आरोपी का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

निरंकारी मिशन ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को संत निरंकारी सत्संग भवन प्रेम नगर ब्रांच में संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया। रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर मिशन के अनुयायियों ने भी हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा जिस प्रकार निरंकारी मिशन द्वारा समाज की सेवा का कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई के क्षेत्र में किया जा रहा है वह उल्लेखनीय है। मसूरी में भी पर्यटक सीजन पीक पर रहने के दौरान भी वहां की यातायात व्यवस्था भी निरंकारी मिशन द्वारा की जाती है। मंत्री ने कहा कि एक यूनिट ब्लड से कई लोगों को फायदा मिलता है। आज जिस प्रकार घटनाएं हो रही है, ऐसे में यह एक जन सेवा का बहुत बड़ा माध्यम है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील भी की। इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन की ओर से कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की शादी की 39 वी वर्षगांठ पर केक काटकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई और अरदास करते हुए दीर्घायु जीवन की कामना की।

कैबिनेट मंत्री ने काली माता मंदिर में किया श्रमदान

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हाथीबड़कला स्थित काली माता मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छता अभियान के तहत काली माता मंदिर में साफ–सफाई की और श्रमदान किया। श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता अभियान के आह्वान के निमित चलाए गए स्वच्छता अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा 500 वषी का इंतजार जल्द ही खत्म हो रहा है। पूरा देश राममय है। पूरा देश उत्साहित है। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर का लोकार्पण करेंगे।

कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम अपने महल में विराजमान होंगे। उन्होने अपनी शादी की 39 वी वर्षगांठ पर धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ काली माता मंदिर में पूजा अर्चना भी की। इस अवसर पर श्रीदेव सुमन नगर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, महानगर उपाध्यक्ष डॉ. बबिता सहोत्रा, प्रमोद थापा, ओम प्रकाश बावड़ी, हेमंत जोशी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पंचायती मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर बीजेपी महानगर अनुसूचित मोर्चे द्वारा घंटाघर पंचायती मन्दिर में व भीमराव अंबेडकर पार्क में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। जिसमें अनुसूचित मोर्चा महानगर अध्यक्ष व निवर्तमान पार्षद विशाल कुमार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि 22 तक से सफाई अभियान तक चलेगा। मौके पर मोर्चे के महामंत्री अतुल सोनकर, महानगर मोर्चा मंत्री हिमांशु कुमार, कोषाध्यक्ष राजीव चौहान, विशाल अनंत, शालिनी सिद्धू, चंदन कनौजिया, नगर निगम के मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी अरुण खन्ना, सफाई इंस्पेक्टर राजेश बहुगुणा, मनीष दरियाल व सभी अनुसूचित मोर्चे के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कौशिक ने मंदिर परिसर में चलाया सफाई अभियान

हरिद्वार(। प्रधानमंत्री के आह्वान पर भाजपा के सप्त ऋषि मंडल ने हरिद्वार विधायक मदन कौशिक के नेतृत्व में बिल्वकेश्वर मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया।

कौशिक ने सभी कार्यकर्ताओं से मठ–मंदिरों में सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया। कौशिक ने कहा कि मठ–मंदिरों एवं तीर्थ स्थलों के इस सफाई अभियान से हमें सबको जोड़ना है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने को एक उत्सव की तरह मनाना है। 22 जनवरी को धर्मनगरी में दिवाली जैसा माहौल देखने को मिलेगा। सप्तऋषि मंडल अध्यक्ष तरुण नैय्यर ने सभी कार्यकर्ताओं से स्वच्छता अभियान 22 जनवरी तक जारी रखने की अपील की।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी, मंडल महामंत्री देवेश ममगई, निवर्तमान पार्षद विनीत जोली, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुकेश पुरी, आदित्य झा, केतन सहगल, करुण मदान, प्रशांत, दीपक शर्मा, विकास, प्रिया गुप्ता, कमल बृजवासी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशे की रोकथाम को नुक्कड़ नाटक कर रैली निकाली

देहरादून। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने नुक्कड़ नाटक और रैली निकालकर लोगों को नशा उन्मूलन के लिए जागरूक किया। वक्ताओं ने नशे के कारण खराब हो रहे युवाओं के भविष्य पर चिंता जताई। गांधी पार्क में रविवार को संस्थान की ओर से आयोजित सहयोग कार्यक्रम का भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि खासकर युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है। इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना होगा। इस दौरान संस्थान के स्वयं सेवियों ने एक नाटक का मंचन किया। इसके माध्यम से नशे के गंभीर परिणाम, इससे परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति सचेता किया। स्वयंसेवी वीरेंद्र चमोली ने नशा उन्मूलन के लिए सभी से सहयोग की अपील की। इसके बाद युवाओं ने गांधी पार्क से घंटाघर, क्रॉस रोड मॉल, सर्वे चौक होते हुए वापस गांधी पार्क तक जागरूकता रैली निकाली। मौके पर भाजपा महानगर उपाध्यक्ष संतोष सेमवाल, मुख्य प्रबंधन में सौरभ गौनियाल, रोहन चंद, मनीष चावरिया, नितिन कुमार आदि मौजूद थे।

किसान कोल्हूओं में गन्ना बेचने को मजबूर

रुड़की। गन्ना मूल्य की घोषणा नहीं होने से किसानों को मजबूरी में अपना गन्ना कोल्हूओं को बेचना पड़ा रहा है। इस कारण शुगर मिल में नौ केन की स्थिति बन रही है। शुगर मिलों का पेराई सत्र करीब तीन माह पूर्व शुरू हो गया था। लेकिन सरकार ने अभी तक गन्ने का समर्थन मूल्य घोषित नहीं किया है। जिस कारण शुगर मिल की ओर से पिछले साल के घोषित मूल्य 355 रुपये प्रति कुंतल के हिसाब से किसानों को पैसे मिल रहे है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी ने बताया कि सरकार को कई बार इस संबंध में अवगत कराया गया है कि वह गन्ने का समर्थन मूल्य घोषित करे, ताकि किसान को पता रहे कि उसकी फसल को किस मूल्य में खरीदा जा रहा है, लेकिन सरकार ने अभी तक गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया है। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष विजय कुमार शास्त्री ने कहा कि लगातार किसान गन्ने का समर्थन मूल्य घोषित करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से आज तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया।

धारी देवी और नागराज की देव डोली से आशीर्वाद लेने उमड़े भक्त

हरिद्वार। मां धारी देवी और भगवान नागराज की देव डोली रविवार को हरिद्वार पहुंची। आचार्य सुरेंद्र प्रसाद सुंदरियाल और उनकी टीम देव डोली लेकर हरिद्वार पहुंची। देव डोली के हरिद्वार पंहुचने पर गढ़वाल महासभा समिति के सभी पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत और पूजा अर्चना की। जिसके बाद देव डोली की शोभा यात्रा शिवमूर्ति चौक से आरंभ होकर शिव विश्राम गृह पंहुची।

गढ़वाल महासभा समिति के अध्यक्ष मुकेश जोशी ने बताया कि सोमवार को हरकी पैड़ी पर शाही स्नान कर देव डोली प्रस्थान करेगी। रविवार को गढ़वाल महासभा समिति के सहयोग से देव डोली की शोभा यात्रा शिवमूर्ति चौक से शुरू हुई। जिसके बाद मां धारी देवी और भगवान नागराज की देव डोली वाल्मीकि चौक, पोस्ट ऑफिस मार्ग, अपर रोड होते हुए शिव विश्राम गृह पहुंची। इस दौरान डोली शोभा यात्रा का जगह जगह व्यापारियों और सामाजिक

संगठनों ने स्वागत किया। देव डोली के दर्शन करने के लिए रास्ते भर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस दौरान देव डोली शोभा यात्रा पर लोगों ने पुष्प वर्षा की। देव डोली के साथ पर्वतीय वाद्य यंत्र ढोल दमाऊ को बजाने वाली टीम भी चल रही थी। रास्ते भर देव डोली से आशीर्वाद लेने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मां धारी देवी और भगवान नागराज की देव डोली की शोभा यात्रा में संयोजक अनिल गिरी, संरक्षक देवेंद्र दत्त कोठियाल, महामंत्री प्रमोद डोभाल, बीडी मंदोरिया, रीता चमोली, प्रेम प्रकाश धस्माना, रश्मि चौहान, आशीष पुरी, विमला ढौंडियाल, नागेंद्र पुरोहित, जसराम ढौंडियाल, मोहित पुरी, लता पंत, आशुतोष गिरी, योगेश जोशी आदि शामिल रहे।

मृतकों को मिले शहीद का दर्जा, बनाया जाएं स्मारक

कोटद्वारः वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति ने वाहन दुर्घटना में मृतक वन अधिकारी व कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। कहा कि सरकार को सभी मृतकों का स्मारक बनाना चाहिए। इस दौरान सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों की आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। रविवार को पनियाली स्थित अरण्य सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आठ जनवरी को राजाजी नेशनल पार्क चीला गंग नहर के समीप वाहन दुर्घटना ग्रस्त होने से वन क्षेत्राधिकारी शैलेश घिल्डियाल, वन्य जीव प्रतिपालक आलोकी, डिप्टी रेंजर प्रमोद ध्यानी, संविदा कर्मी सैफ अली खान व पुलराज सिंह की मौत हो गई थी। कहा कि हृदय विदारक इस घटना से हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों की याद में सरकार को उनका स्मारक बनाना चाहिए। कहा कि दुर्घटना के कारणों की भी पूरी जांच होनी चाहिए। शोक व्यक्त करने वालों में समिति के अध्यक्ष आरपी पंत, महावीर सिंह चौहान, धर्मानंद ध्यानी, दिनेश घिल्डियाल, अनिल कुकरेती, चंद्र किशोर, भारत सिंह सजवाण, रामकृष्ण बुड़ाकोटी, आरपी जोशी, सुरेश मधवाल आदि मौजूद रहे।

अनिल बिष्ट के गीतों पर जमकर झूमे दर्शक

पौड़ीः परसुंडाखाल में तीन दिवसीय रंगारंग मकरैंण मेले के तीसरे दिन रविवार को लोकगायक अनिल बिष्ट के गीतों पर दर्शक जमकर झूमे। कार्यक्रम में लोकगायक लोकेंद्र कैंतुरा और प्रीति ने भी शानदार लोकगीतों की प्रस्तुतियां दी। रविवार को परसुंडाखाल में आयोजित मकरैंण मेले के तीसरे दिन महिलाओं ने रस्साकसी में भी दमखम दिखाया। इस मौके पर मकरैंण मेला समिति के अध्यक्ष कुलदीप रावत, उपाध्यक्ष संजय कठैत, मिथिलेश रावत, सचिव प्रशांत रावत, कोषाध्यक्ष कुलदीप गुसांई, सह-सचिव प्रभात रावत आदि मौजूद रहे। वहीं, मकरैंण मेले के दूसरे दिन घुसगलीखाल में पूजा अर्चना के साथ नवनिर्मित गिन्दी मेला स्मृति द्वार पर कलश, घंटा व ध्वजा लगाकर उद्घाटन किया गया। जिसमे कि भक्तजनों द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात मकरैंण मेले के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में भजन गायक सुरेश नैनवाल द्वारा भजनों की प्रस्तुति, बालक बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिला मंगल दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व ढोल सागर प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष नेत्र सिंह बिष्ट, सलाहकार अनुसूया प्रसाद सुंदरियाल, संयोजक कैलाश सुंदरियाल, खेल समिति के अध्यक्ष नीरज पटवाल, बिलेश्वर पटवाल, ज्योति सुंदरियाल, तेजपाल सिंह रावत आदि लोग मौजूद रहे।

स्वयं सेवियों ने पढ़ाया यातायात का पाठ

पौड़ीः नेहरू युवा केंद्र पौड़ी द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही पौड़ी में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। जिसके तहत पौड़ी में एसएचओ गोविंद कुमार द्वारा नेहरू युवा केंद्र व बीजीआर कैंपस के एनएसएस के स्वंयसेवियों को यातायात नियमों का प्रशिक्षण देने के साथ ही शहर के व्यस्ततम चौराहों ट्रैफिक पुलिस के साथ अपनी निगरानी में ड्यूटी पर लगाया। स्वयंसेवियों द्वारा पूर्ण उत्साह के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया। वहीं, पाबौ ब्लाक के राईंका जगतेश्वर में लोकगीत, लोकनृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में युवा मण्डल घुलेत, सकन्याणा, बुरांशी, सैंजी, भरसार, चपलोड़ी आदि युवा मंडलों की टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम में विभिन्न युवा मंडलों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। मुख्य अतिथि स्कूल के प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह नेगी ने युवाओं को अपनी लोक संस्कृति के बचाव हेतु ऐसी विधाओं में प्रतिभाग करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि बुरांशी के ग्राम प्रधान मनवर सिंह ने युवाओं से निरन्तर समर्पित रहने का आवाहन किया। इस मौके पर अंजना बिष्ट, कविता पंवार, अमित बर्थवाल, अमन नयाल, सौमिल नांरग, सानिया रहमानी, महक सलमानी, आयुष कुमार, स्नेहा रावत आदि शामिल रहे।

भुलाया नहीं जा सकता वीर सैनिकों का बलिदान

जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास लैंसडौन की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि देश की रक्षा के लिए दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सीमा पर खड़े सैनिक के योगदान से ही हम देश में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को भी पूर्व सैनिक व वीरांगनाओं की समस्याओं का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान सेना मैडल, वीर चक्र, शौर्यचक्र, कीर्ति चक्र, वीर नारियों सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया।

रविवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास लैंसडौन की ओर से प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला व सैनिक कल्याण अधिकारी ओपी फर्सवाण ने दीप प्रज्वलित कर किया। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी ने कहा कि सेना देश की गौरव है। सेवानिवृत्ति के बाद भी सैनिक पूरी गंभीरता के साथ समाज सेवा में जुटा रहता है। उन्होंने कहा कि देश का सैनिक अपनी जान की परवाह न करते हुए देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौच्छावर कर देता है। देश के प्रति समर्पण भाव के पीछे सैनिका के परिवार के भी अहम भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि जिन सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। उन सैनिकों के बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता है।

सैनिकों के स्वजनों को सम्मानित करते विस अध्यक्ष

सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त कर्नल ओपी फर्सवाण ने सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मनाए जाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि सैनिकों के बलिदान को याद करने के लिए उनके प्रति कृतघ्नता व्यक्त करने के लिए ही शशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर 10 सैना मैडल, दो वीर चक्र विजेता, पांच शौर्य चक्र, एक कीर्ति चक्र, तीन मेंशन इन डिस्पैच व वीर नारियों सहित सौ लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी इलागिरि, उपजिलाधिकारी सौहन सिंह सैनी, बीबी ध्यानी, महेंद्र पाल सिंह रावत, दिनेश खंतवाल, महेंद्र सिंह रावत, सतपाल रावत मौजूद रहे।

नशे पर पुलिस सख्त, गांजे के साथ एक गिरफ्तार

चार लाख रुपये की बताई जा रही पकड़ी गई गांजे की कीमत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रिखणीखाल थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पुलिस ने 116.6 किलोग्राम गांजे के साथ नशे के एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसके अन्य तीन साथियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। गांजे की कीमत पांच लाख रूपये बताई जा रही है।

रिखणीखाल थानाध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि 13 जनवरी की रात को चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन को संदिग्ध लगने पर रोका तो मौके से वाहन में बैठे 3 व्यक्ति फरार हो गये। शक होने पर सघन चैकिंग की गयी तो वाहन में पीछे की तरफ पुलिस से बचने के लिये फ्लोर के नीचे वेल्डिंग कर के एक्स्ट्रा फ्लोर केबिन बनाया हुआ था। जिसकी तलाशी ली गयी तो केबिन में 13 प्लास्टिक के बैग मिले जिनमें 116.665 किलोग्राम अवैध गांजा भरा हुआ था। चालक को गिरफ्तार कर थाना रिखणीखाल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राजेश काला निवासी शिब्बूनगर कोटद्वार बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को नशे के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त होती है तो उसकी सूचना 7060470047 पर तत्काल दें। एसएसपी चौबे ने कहा कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।

गांजे के साथ पुलिस हिरासत में आरोपी

राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन होने पर किया सम्मानित

पौड़ीः कोट ब्लाक के कठूड़ गांव में सम्मान समारोह में क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के दो छात्रों का विद्यालयी शिक्षा की अंडर 14 आयु वर्ग की राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर उनका ग्रामीणों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। दोनों ही खिलाड़ी आगामी 17 जनवरी से झारखंड के रांची में शुरू हो रही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तराखंड की टीम से खेलेंगे। बीते वर्ष नवंबर माह में देहरादून में राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें ट्रायल के बाद उत्तराखंड की टीम का चयन किया गया। इस टीम में पौड़ी जनपद के कोट ब्लाक के कठूड़ गांव के रहने वाले अनुज नेगी व खोला गांव के आर्य नेगी का चयन हुआ। दोनों ही छात्रों का चयन विद्यालयी शिक्षा की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए होने पर क्षेत्र वासी भी काफी खुश हैं। कठूड़ गांव में दोनों ही बच्चों के सम्मान में समारोह आयोजित किया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्रामीण भी खुशी के इस पहल में शामिल हुए। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता आलोक चारु ने बताया कि कठूड़ गांव की समिति तथा क्रीडा संघ कोट द्वारा दोनों ही बच्चों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कठूड़ के ग्राम प्रधान दीपक शाह, ओम प्रकाश नेगी, अनिल गुसांई, सुरेश पाल, वींणी नौटियाल, बसंत कुमार आदि शामिल रहे।

स्टार्टअप बूट कैंप 23 से

कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत दिनांक 23 में 24 जनवरी 2024 को दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप आयोजित होगा। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार की अध्यक्षता में उद्यमिता समिति के सदस्यों की हुई बैठक में स्टार्टअप बूट कैंप के आयोजन की तैयारियों पर व्यापक चर्चा की। जानकी पंवार द्वारा बूट कैंप के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ० संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि उक्त स्टार्टअप बूट कैंप में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ निकटवर्ती उच्च शिक्षण संस्थानों राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार भाबर, भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय एवं आई एच एम एस इंस्टीट्यूट, कोटद्वार के छात्र छात्राएं भी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि दिनांक 23 एवं 24 जनवरी 2024 को महाविद्यालय के डॉ० ए पी जे अब्दुल कलाम, सभागार में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक चलने वाले बूट कैंप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के विशेषज्ञ भी छात्र-छात्राओं को उद्यमिता एवं स्टार्टअप के लिए प्रशिक्षित करेंगे। बैठक में डॉ० किशोर सिंह चौहान, डॉ० प्रियंका अग्रवाल, डॉ० सरिता चौहान एवं डॉ० मुकेश रावत आदि देवभूमि उद्यमिता समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

चौधरी को मिला डा.अंबेडकर नेशनल फेलोशिप अवार्ड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गरीब व असहाय परिवार के बच्चों की पढ़ाई में मदद के लिए प्रमोद कुमार चौधरी को डा. अंबेडकर नेशनल फेलोशिप अवार्ड दिया गया। यह अवार्ड उन्हें भारतीय दलित साहित्य अकादमी गढ़वाल मंडल की ओर से दिया गया।

हल्दुखाता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वोदय सेविका शशिप्रभा रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। सम्मान अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस पी सुमनाक्षर के प्रतिनिधि के रूप में मण्डलीय अध्यक्ष सुरेन्द्र लाल आर्य व अन्य गणमान्य व्यक्तियों के हाथों प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ, बैज, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट किया गया । मुख्य वक्ता बीसी शाह ने कहा कि प्रमोद चौधरी पिछले कई वर्षों से सामाजिक कार्यों में जुटे हुए है। उनकी ओर से माता-पिता विहीन बच्चों को पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद भी दी जाती है। कहा कि हम सभी को एकजुट होकर समाज के बेहतर हित में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर नेत्र सिंह रावत, मयंक प्रकाश कोठारी, विनय रावत, शशिप्रभा रावत, मंजू रावत, बचन सिंह गुसाईं, वीर सिंह, अमेरिका सिंह, शूरवीर खेतवाल, सुदीप बौंठियाल, दीपक कुकरेती, सुमन नेगी आदि मौजूद रहे।

प्रमोद कुमार चौधरी को सम्मानित करते संस्था के सदस्य

धूमधाम से मनाया मकर सक्रांति पर्व

काशीपुर(सं)। रविवार को जनजीवन उत्थान समिति के तत्वाधान में अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा के कार्यालय मोहल्ला सिंघान में मकर संक्रांति पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मकर संक्रांति के पर्व पर सूर्य की उपासना की गई तथा गरीबों को चावल, उड़द की दाल और गुड वितरित किया गया।इस दौरान अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा के महानगर अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतवर्ष में सनातन संस्कृति में पर्व और त्योहारों का समावेश जनजीवन को ऊर्जावान बना देता है। मुख्य तौर से भारतीय चिंतन में सूर्य ब्रह्मांड की आत्मा है, सूर्य अजर अमर है। इसलिए सूर्य की पूजा कर मकर संक्रांति के पर्व में नदियों में स्नान करते समय सूर्य की पूजा होती है। यहां भास्कर त्यागी एडवोकेट, देवांग मिश्रा एडवोकेट, सैयद आसिफ अली एडवोकेट, ममता मिश्रा एडवोकेट, मंजू सक्सेना एडवोकेट, सारांश सक्सेना एडवोकेट, विवेक मिश्रा एडवोकेट रामकुंवर सिंह चौहान एडवोकेट, शालिनी मिश्रा एडवोकेट, अमृतपाल सिंह एडवोकेट, अंकित चौधरी एडवोकेट आदि मौजूद रहे। वहीं स्टेशन रोड स्थित शिव मंदिर पर मकर संक्रांति के पर्व पर कुमायूं वैश्य महासभा, इंडियन वैश्य फैडरेशन तथा जायंट वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पदाधिकारियों ने शिविर लगाकर खिचड़ी का वितरण किया। सर्द मौसम में हजारों की संख्या में आते जाते लोगों ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया।

नवयुग स्कूल बनी आईएचएमएस वालीबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन

आईएचएमएस की ओर से आयोजित की गई थी अंतरविद्यालयी वालीबॉल प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। इंस्टिट्यूट ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से गढवाल राइफल्स के संस्थापक लॉट सुबेदार मेजर बलभद्र सिंह नेगी की स्मृति में आयोजित अंतर विद्यालयीय वालीबॉल प्रतियोगिता नवयुग स्कूल के नाम रही। नवयुग ने बालक और बालिका वर्ग में राइजिंगसन स्कूल को हराकर प्रतियोगिता की चैंपियन बनी।

रविवार को बीईएल रोड स्थित संस्थान परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले गए। पहला सेमी फाइनल मैच ज्ञानभारती और राइजिंगसन के बीच खेला गया। जिसमें राइजिंगसन ने मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरा सेमीफाइनल मैच नवयुग और डेफोडिल के बीच खेला गया, जिसमें नवयुग ने एकतरफा मुकाबले में डेफोडिल को हराकर फाइलन में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का बालिका वर्ग फाइलन मैच नवयुग और राइजिंगसन के बीच हुआ। जिसमें नवयुग की छात्राओं ने बेहतर खेल का प्रदर्शनकरते हुए 25–19 और 25–18 के सेट से राइजिंगसन को हराकर प्रतियोगिता अपने नाम की।

प्रतियोगिता की अव्वल टीम को सम्मानित करते अतिथि

बालक वर्ग का फाइनल मैच भी नवयुग और राइजिंगसन के बीच खेला गया। जिसमें शुरुआत से ही दोनों टीमों में कांटे की टक्कर रही। लेकिन कुछ देर बाद नवयुग के खिलाडियों के बेहतरीन खेल के सामने राइजिंगसन के खिलाडी अधिक समय तक नहीं टिक सके और नवयुग ने लगातार 21–19, 21–10 और 22–20 के सेट से मैच जीतकर प्रतियोगिता की चैंपियनशिप अपने नाम की। संस्थान के ईडी अजयराज नेगी ने विजेता टीम के खिलाडियों को मैडल और ट्राफी प्रदान की।

यह रहे बेहतर खिलाड़ी

बालिका वर्ग में नवयुग की इशिका, जबकि बालक वर्ग में भी नवयुग के मोहित रावत को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए नवयुग के मोहित डबराल और इशिका को बेस्ट स्मैशर, राइजिंगसन के सागर खुगशाल और नवयुग की अनुश्का को बेस्ट डिफेंडर, नवयुग के अर्पित भंडारी और अनामिका को बेस्ट लिफटर, नवयुग के शिशिर रावत और राइजिंग की आयुषि को बेस्ट सर्वर, राइजिंग के समीर गुसाईं और सुहानी को इमरजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया। प्रतियोगिता में भाष्कर नेगी, पवनीश चंदोला और मनमोहन सिंह नेगी ने रेफरी की भूमिका निभाई। साहिल भंडारी, अंश लाइनमैन रहे जबकि मैच का आंखों देखा हाल विवेक सैनी से सुनाया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर एकेडमिक डॉ सुनील कुमार, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, कार्यक्रम संयोजक पंकज कुकरेती, राइजिंगसन के प्रबंधक एमएस बिष्ट, प्राध्यापक सुरेंद्र सिंह जुगराण, अनुज नेगी, नवीन किशोर, कोच अभिषेक घिल्डियाल, संतोष ध्यानी, जयपाल सिंह नेगी समेत सभी कर्मचारी मौजूद रहे। संचालन ख्वाइश ने किया।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व चलाया गया स्वच्छता अभियान

पौड़ीः श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जिला मुख्यालय के धार्मिक स्थलों में स्वच्छता अभियान का आगाज हो गया है। रविवार को विधायक राजकुमार पोरी की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर के लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने मंदिर परिसर से लेकर मुख्य गेट तक सफाई की। उन्होंने कहा कि अब कल्जीखाल ब्लॉक के भुवनेश्वरी देवी व घुसगलीखाल मंदिर में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विधायक पोरी ने कहा कि पीएम मोदी के संकल्प से 22जनवरी को पूरे देशवासियों का सपना साकार होने जा रहा है। जो कि सभी लोगों के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने सभी लोगों को दीपोत्सव के साथ ही धार्मिक स्थलों व अन्य जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाने का आह्वान किया। इस मौके पर लोक सभा विस्तारक अजय टोंक, विधान सभा विस्तारक प्रेम सिंह रावत, भाजपा जिला महामंत्री शशी रतूड़ी आदि शामिल रहे। वहीं, स्वच्छ हिमालय अभियान के तहत रविवार को प्रेमनगर से चंदोला राई तक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वच्छ हिमालय अभियान के वालंटियरों व अन्य संगठनों ने जगह–जगह फैले कूड़े को एकत्र किया। अभियान के संस्थापक हर्ष चंदोला ने बताया कि शहर में हर रविवार को अलग–अलग स्थानों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है, साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कहा कि उनका प्रयास है कि इसमें अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जाए। वालंटियरों की मदद से सफाई के प्रयास को जारी रखने और अपने हिमालयी क्षेत्र को साफ करने के लिए सरकार के साथ काम करने की योजना बना रहे हैं। इस मौके पर आह्वान संस्था की अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल, छात्रसंघ अध्यक्ष ऋविक असवाल, रोमा भ्रदा, प्रियंका बहुगुणा, रोशनी बिष्ट, अंजना चौहान, संध्या, माधुरी थपलियाल, पुष्पा, संदीप रावत आदि शामिल रहे।

थडिया, चौफला नृत्य की प्रस्तुती ने मोहा दर्शकों का मन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अजमेर-लंगूर गेंद मेला मोहत्सव के शुभारंभ पर महिला व बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

द्वारीखाल ब्लाक के अंतर्गत अजमेर–लंगूर गेंद मेला महोत्सव–2024 का शुभारंभ हो गया है। गेंद मेला महोत्सव का शुभारंभ मेला समिति के अध्यक्ष मधुसूदन बलूनी, संरक्षक विनोद कंडवाल, गोविंद प्रसाद कंडवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत ग्राम सभा बड़ेथ की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। महिलाओं की थडियाल, चौफला नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। इस दौरान प्राथमिक बालक वर्ग की सौ मीटर दौड़ में अक्षत चमोली, शिवांश भट्ट, अंश, बालिका वर्ग में लक्ष्मी बड़थ्वाल, वैष्णवी, मनीषा।

अजमेर—लंगूर गेंद मेले में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं ।

महिला वर्ग की सौ मीटर दौड़ में अंजलि, गुड्डी देवी, वरिष्ठ नागरिकों की सौ किलोमीटर दौड़ में प्रदीप भट्ट, सोमप्रकाश, रमेश चंद्र, नन्हे बच्चों की गुब्बारा फोड प्रतियोगिता में अंशिका, आदर्शन, अंशिका, महिलओं की कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में अनीता देवी, आरती चमोली, पुष्पा देवी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर हिमांशु कंडवाल, आकाश कंडवाल, अनीता देवी, शिरोमणि केष्टवाल, संजय बलूनी, वीरेंद्र बलूनी, नवीन कंडवाल, दिनेश कंडवाल आदि मौजूद रहे।

शासन से 31 जनवरी तक विभाग ले सकते हैं वित्तीय स्वीकृतियां

काशीपुर(सं)। लोक सभा चुनाव को लेकर शासन पूरी तरह से अलर्ट है। शासन ने इस बाबत अफसरों को पत्र भेजकर विभागीय बजट प्रावधान के सापेक्ष धनराशि के उपयोग के लिए समय सीमा तय की है। शासन वित्तीय स्वीकृतियां 31 जनवरी तक देगा। बता दें कि विभागों को नए वित्तीय वर्ष में बजट खर्च के लिए शासन से अनुमति लेनी होती है। मार्च में आचार संहिता को देखते हुए बजट खर्च के लिए अनुमति मिलना संभव नहीं हो पाता। विकास कार्यों को गति देने को शासन ने अभी से कमर कस ली है। इस क्रम में शासन के अपर सचिव सी. रविशंकर ने प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, प्रभारी सचिवों को भेजे पत्र में कहा है कि लोकसभा चुनाव अप्रैल अथवा मई में संपन्न होने हैं। आचार संहिता भी मार्च के प्रथम सप्ताह में प्रभावी हो सकती है। इसके चलते मार्च 2024 में नए विकास कार्यों को वित्तीय स्वीकृति जारी किया जाना संभव नहीं हो सकेगा। अपर सचिव ने विभागों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 में विभागीय बजट प्रावधान के सापेक्ष धनराशि के उपयोग को समय सीमा तय की है।

केवल विकास के नाम पर गुमराह की जा रही कोटद्वार की जनताः उनियाल

◆पत्रकारों से वार्ता करते हुए बोले कोटद्वार बचाओं संघर्ष समिति के संयोजक नागेंद्र उनियाल
◆कोटद्वार बचाने के लिए जनता के साथ मिलकर धरातल पर संघर्ष करेगी समिति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक नागेंद्र उनियाल ने कहा कि राज्य गठन के बाद से विकास के नाम पर केवल कोटद्वार की जनता को गुमराह किया गया। हालत यह है कि आज भी कोटद्वार वासी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। यही नहीं पूर्व में मिलने वाली कई महत्वपूर्ण सुविधाओं को बंद कर दिया गया। कहा कि समिति किसी भी हाल में जनता का शोषण बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो जनता के साथ मिलकर आंदोलन चलाया जाएगा।

रविवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए समिति के संयोजक नागेंद्र उनियाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जनता के भारी विरोध के बावजूद उत्तराखंड सरकार ने 18 अप्रैल 2015 को शानादेश जारी कर लालढांग रेंज व कोटद्वार रेंज के अधिकांश भाग को राजाजी राष्ट्रीय पार्क के बफर जोन में शामिल कर दिया था। इसमें

कोटद्वार बचाओं संघर्ष समिति के संयोजक नागेंद्र उनियाल।

चिल्लरखाल-लालढांग वन मोटर मार्ग ही नहीं कण्वाश्रम-मवाकोट-पनियाली मोटर मार्ग शामिल है। राजाजी राष्ट्रीय पार्क के वफर जोन में शामिल होने पर लालढांग और कोटद्वार वन रेंज में उत्तराखंड वन विभाग को किसी निर्माण/मरम्मत कार्य के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण व भारतीय वन्य जीव परिषद से अनुमति लेनी पड़ती है। 07-14-2018 व 28-12-2018 को तत्कालीन कोटद्वार विधायक वन मंत्री डा.हरक सिंह रावत ने चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग की वन भूमि को लोनिवि को हस्तांतरित करा दिया था। जिसे उच्च न्यायालय ने गलत माना और वह भूमि वन विभाग को लौटाने की बात कही। साथ ही किसी भी निर्माण के लिए भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री से अनुमति लेने की बात कही गई। इसके बाद वन विभाग ने चिल्लरखाल वन मोटर मार्ग की मरम्मत के लिए रुपये 613.30 लाख का आंगणन स्वीकार कर 200.00 लाख रुपये 31 मार्च 2021 को जारी कर दिए। कार्यदायी संस्था लोनिवि ने इसपर काम शुरू कर 91.66 लाख रुपये खर्च कर दिए। 11.11.2021 को वन विभाग ने यह कहते हुए कि सेंटर इम्पावर्ड कमेटी की 16.09.2021 की बैठक के बाद कोई निर्णय लिए जाने की जानकारी नहीं है। इसलिए कमेटी द्वारा अंतिम निर्णय आने तक लोनिवि को काम रोकने का आदेश दिया। आश्चर्य की बात है कि लगभग ढाई साल बीत जाने के बाद आज तक भी सेंटर इम्पावर्ड कमेटी की न तो बैठक और नहीं उसके निर्णय की जानकारी है।

स्पष्ट है कि स्थानीय नेता नहीं चालते कि चिल्लरखाल-लालाढांग सड़क बने। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जल संस्थान की कौडिया रेंज बिजनौर वन प्रभाग नजीबाबाद की चालीस एकड सीवर फार्म व 0.059 एकड वन भूमि सीवर लाईन हेतु 18.01.1986 तक लीज पर दी गई थी। इस लीज को पचास वर्ष तक बढ़ाने के लिए तब से लेकर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। मोटर नगर में तमाम घोटालों के कारण अव्यवस्था बनी हुई है। ऐसे में सरकार को बस अड्डा निर्माण के नाम पर हुई इस घोटाले की सीबीआई जांच करवानी चाहिए। उन्होंने आश्वासन के बाद भी मेडिकल कॉलेज व कोटद्वार जिला नहीं बनने पर भी आक्रोश व्यक्त किया।

बेहतर समाज की कल्पना साकार करने का आह्वान

रुद्रप्रयाग। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन रुद्रप्रयाग द्वारा बेहतर समाज निर्माण के उद्देश्य से युवाओं के साथ तीन दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें जनपद के दूर–दराज के क्षेत्रों सहित कुल 38 युवाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में युवाओं से एक बेहतर समाज की कल्पना साकार करने का आह्वान किया गया। इसमें युवाओं की भूमिका को लेकर भी चर्चा की गई। युवाओं के साथ संवाद में समाज के कुछ ऐसे व्यक्तित्वों को भी शामिल किया गया जिनके माध्यम से समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रयास शामिल हैं।

इनमें सामुदायिक रेडियो मंदाकिनी की आवाज से मानवेंद्र, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली मेडिकल कालेज से मनोचिक्त्सक डॉ मोहित सैनी व नेशनल अवार्ड से सम्मानित सिनेमेटोग्राफर बिट्टू रावत व उनके साथ प्रसिद्ध डोक्युमेंटरी पाताल ती की टीम के साथ युवाओं का संवाद कराया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के साथ साथ समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रयास शामिल थे। इस दौरान देहरादून जिले से यूथ क्लब आगाज व चमोली जिले के यूथ क्लब बी द चेंज के साथियों ने अपने– अपने जिलों में युवा साथियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई।

चमोली में वीर नारियों का सम्मान किया

चमोली। भारत की सशस्त्र सेनाओं के पूर्व सैनिकों के सम्मान में सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस चमोली जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला पंचायत परिसर में डीएम हिमांशु खुराना सहित जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (से.नि.) भाष्कर बनर्जी, भूतपूर्व सैनिकों एवं गणमान्य नागरिकों ने अमर शहीदों के बलिदान को याद किया। पुलिस के जवानों ने शहीदों को सलामी दी। मौके पर डीएम ने 31 वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर एवं जीआईसी की छात्राओं ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी।

रविवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस समारोह मेंदजिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश की रक्षा में पूर्व सैनिकों का अमूल्य योगदान रहा है। हमें सैनिकों के अदम्य साहस एवं शौर्य गाथाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल (से.नि.) भाष्कर बनर्जी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के पहले भारतीय कमांडर–इन–चीफ फील्ड मार्शल के.एम करियप्पा की सेवाओं की मान्यता और सम्मान में वर्ष 2017 से हर साल 14 जनवरी को सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मनाया जाता है। 1953 में इसी दिन भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर–इन–चीफ फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा, जिन्होंने 1947 के युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था, औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत सैन्य कर्मियों के योगदान को याद करने के लिए सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी आरके पांडेय, सहायक सैनिक कल्याण अधिकारी सूबेदार (से.नि.) कलम सिंह, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह रावत, जिला सचिव महेन्द्र सिंह राणा, नगर अध्यक्ष दलवीर पुण्डीर, पूर्व सैनिक सुदर्शन सिंह, दलवीर कर्म्यालय, दर्शन सिंह बिष्ट, गोविन्द सिंह बजवाल, मकर सिंह, कुंदन सिंह पुंडीर, गोविन्द सिंह, वीरांगनाएं, सामाजिक कार्यकर्ता डीपी पुरोहित, डीपीआरओ आरएस गुंजियाल आदि मौजूद थे।

खतेणा में घर–घर जाकर पूछी मां चंडिका ने भक्तों की कुशलक्षेम

रुद्रप्रयाग। नौज्युला क्षेत्र की सिद्धपीठ मां नारी चंडिका की देवरा यात्रा ने खतेणा मे घर–घर जाकर भक्तों की कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान मां के निशान ने नृत्य कर भक्तों को अपना आशीर्वाद भी दिया। देवरा यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प एवं अक्षतों से जोरदार स्वागत हो रहा है। सोमवार को नारी देवी उत्तर दिशा मयकोटी से भ्रमण शुरू करेगी। बीते 17 नवम्बर से मां सिद्धपीठ नारी देवी की देवरा यात्रा शुरू हुई थी। मां नारी देवी की देवरा यात्रा ने पूरब दिशा के तल्लानागपुर एवं दशज्यूला क्षेत्र के लगभग 85 गांवों का भ्रमण पूरा कर लिया है। अब 15 जनवरी से देवरा यात्रा मयकोटी से उत्तर दिशा के भ्रमण पर निकलेगी। गत शनिवार को देवरा यात्रा विभिन्न गांवों का भ्रमण के बाद रात्रि प्रवास के लिए खतेणा गांव पहुंची थी। रविवार को पुजारी ने मां के भोगमूर्तियों की विशेष पूजा अर्चना कर भोग लगाया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने मां के दर्शन कर अपने परिवार की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद देवरा यात्रा ने खतेणा में घर घर जाकर भक्तों की कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान वाद्य यंत्रों एवं मां के जयकारों से क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। रात्रि विश्राम के लिए मां की देवरा यात्रा नारी गांव पहुंची। सोमवार को मां की दिवारा यात्रा मयकोटी पहुंचेगी। देवरा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, बुर्जुग, नौजवान एवं बच्चे आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं जबकि मां सभी भक्तों की कुशलक्षेम पूछते हुए खुशहाली का आशीष दे रही है। लगभग सात माह तक चलने वाले इस भ्रमण कार्यक्रम में मां नारी चारों दिशाओं के भ्रमण के बाद जून माह में अपने मूल मंदिर में लौटेगी। जहां पर क्षेत्र खुशाहाली एवं समृद्धि के लिए विशाल महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर नोजुला मंदिर समिति अध्यक्ष दिक्षराज रावत, समिति के संरक्षक सतेंद्र पाल सिंह बर्त्वाल, कोषाध्यक्ष प्रकाशवीर सिंह नेगी, गंभीर बिष्ट, जयकृत सिंह विष्ट, यशवंत रावत, राजमोहन सिंह, गजे सिंह, पं. रमेश चन्द्र सेमवाल, गोविंद सिंह समेत बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

विशेष स्वच्छता अभियान में जिलाधिकारी ने की गदेरे की सफाई

रुद्रप्रयाग। मकर संक्राति के मौके पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशों पर रविवार को स्वच्छता अभियान सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां जवाड़ी बाईपास से जवाड़ी पार्क तक 8 किमी मैराथन दौड़ ओर योग शिविर का आयोजन किया गया वहीं जिलाधिकारी ने स्वयं पुनाड़ गदेरे में सफाई अभियान में हिस्सा लेते हुए गदेरे की सफाई की। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देश पर खेल विभाग, युवा कल्याण, शिक्षा एवं नगर पालिका के संयुक्त सहयोग से आयोजित 8 किमी दौड़ मैराथन दौड़ को रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चैधरी एवं जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बालक वर्ग में सचिन ने 28 मिनट 03 सेकंड में बालिका वर्ग में निकिता कनवाल ने 33 मिनट 52 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने डाट पुल से नीचे पुनाड़ गदेरे की सफाई की। अभियान के दौरान 5 टन कूड़ा एकत्र किया गया। सफाई अभियान में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड सहित अन्य छात्र–छात्राओं ने भी भाग लिया। योगदान दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नपा के ईओ एवं उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को निर्देश दिए हैं कि सड़क के फुटपाथ पर किसी भी दुकानदार का सामान बाहर न रहे। किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने दिया जाए। ऐसा होने की स्थिति में संबंधित पर आवश्यक कार्यवाई की जाए। उन्होंने मुख्य बाजार में खुले में शौच कर रहे एक व्यक्ति का चालान करने के निर्देश दिए। उक्त व्यक्ति का दो हजार का चालान किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संवदनशीलता दिखाते हुए मूंगफली एवं रेवड़ी का व्यवसाय कर रहे अख्तर की दुकान पर सभी अधिकारियों को रोका और उससे सभी मूंगफली एवं रेवड़ी एक ही बार में खरीद कर मौके पर मौजूद अधिकारियों व लोगों में वितरित करते हुए सभी को लोहड़ी की बधाई दी। इस मौके पर सीडीओ नरेश कुमार, एडीएम श्याम सिंह राणा, एसडीएम आशीष घिल्डियाल, एसीएमओ डॉ. विमल गुसाईं, सीईओ परमेंद्र कुमार बिष्ट, निबंधक सहकारिता रणजीत सिंह राणा, डीएचओ योगेंद्र चैधरी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र महेश कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, जिला युवा कल्याण अधिकारी शरत सिंह भंडारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुरील, इंस्पेक्टर श्याम लाल सहित कई लोग मौजूद थे।

टिहरी के मंदिर परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया

नई टिहरी। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सत्येश्वर महादेव मंदिर बौराड़ी के परिसर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। इसके अलावा विभिन्न जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। रविवार को भगवान राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा सांस्कृतिक उत्सव के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बौराड़ी के सत्येश्वर महादेव मंदिर से सफाई अभियान की शुरुआत की। टिहरी जिले के स्वच्छता अभियान संयोजक खेम सिंह चौहान ने बताया कि आगामी 22 जनवरी जिले के सभी मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ मंदिर को सजाने का काम किया जाऐगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का मंदिरों में लाइव प्रसारण करवाया जाऐगा। डीएम मयूर दीक्षित के निर्देश पर जिले के रघुनाथ मंदिर, सुरकंड देवी, कुंजापुरी मंदिर, आगराखाल स्थित शिव मंदिर, जाखणीधार स्थित महादेव मंदिर, हिंडोलाखाल स्थित बीरबाबा सौराल्यला देवता मंदिर सहित विभिन्न मंदिर के परिसरों, पर्यटन स्थलों, घाटों, टिहरी झील के आस पास नगर निकायों तथा विभिन्न संगठनों के जन सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। मौके पर विजय कठैत, शिवसिंह बिष्ट, आनंद पाल परमार, उदय रावत, कमला चमोली, उर्मिला राणा, गोपीराम चमोली, देवेन्द्र बैलवाल, दर्मियान कंडारी, विनीत उनियाल, नीरज गिरी, बीडी कुनियाल,एसडीएम देवेन्द्र नेगी, संदीप कुमार,जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

सफाई मजदूर संघ की कार्यकारिणी का गठन

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ की बैठक में जिला कार्यकारिणी के साथ–साथ रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि व ऊखीमठ निकाय की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस मौके पर भारी मात्रा में सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया। नगर पालिका सभागार में हुई बैठक में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार पारछा व महामंत्री मनोज कुमार सिरसवाल ने शिरकत की। रामेश लाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया गया। जिसके बाद जनपद शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए कैलाश सिंह टांक को संरक्षक, मनीष गोडियाल को अध्यक्ष, रमेश लाल ढिंगिंया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कैलाश कुमार कोषाध्यक्ष, शिवम कुमार सचिव, योगेश कुमार संगठन मंत्री, कमलमांत, सुमित खत्री प्रचार मंत्री व सुमित सहदेव को सलाहकारी चुना गया। इसके साथ ही रुद्रप्रयाग नगर पालिका में सचिन कुमार ढिंगरा संरक्षक, रिकु भैरवाल अध्यक्ष, सुदेश कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रविंद्र कुमार महामंत्री, प्रमोद संगठन मंत्री, गौरव चोटाला सचिव, खजान कोषाध्यक्ष, अरुण व रिंकु को प्रचार मंत्री चुना गया। नगर पंचायत ऊखीमठ के लिए चांद जी संरक्षक, सुंदर कुमार अध्यक्ष, परशुराम उपाध्यक्ष, कुलदीप, सचिन कोषाध्यक्ष, अमित कुमार महामंत्री चुना गया। नगर पंचायत तिलवाड़ा में गुलशल कुमार सेलवान को संरक्षक, राजीव कुमार अध्यक्ष, अरुण कुमार महामंत्री, मनोज कुमार उपाध्यक्ष, सोनु कुमार सचिव, विकुल कुमार कोषाध्यक्ष, शिव कुमार प्रचार मंत्री व ब्रहमपाल को सलाहकार चुना गया। अगस्यमुनि नगर पंचायत में गुलशन कुमार को संरक्षक चुना गया। जबकि धनश्याम अध्यक्ष, प्रमोद कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सोनु कुमार महामंत्री, अरुण, रिंकु प्रचार मंत्री, सुसील कुमार सलाहकार व विपिन, आसु, सुनील, सुभाष व अमन को सदस्य चुना गया।

पुलिस ने किया भंडारे का आयोजन

नई टिहरी। सांस्कृतिक उत्सव के तहत पुलिस ने चंबा पुलिस लाइन में सुबह भैरव मंदिर में पूजा पाठ व हवन करने के बाद भंडारे का आयोजन किया। जबकि विभिन्न थानों व चौकियों में वृहत रूप से स्वच्छता अभियान चलाया गया। रविवार को एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिलकर कोतवाली परिसर, चौकी परिसर, पुलिस लाइन एवं पुलिस कार्यालय की शाखाओं की साफ सफाई की। पूरे सप्ताहभर प्रत्येक दिन समय सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े नौ बजे तक इस तरह का सफाई अभियान नियमित चलाने का निर्णय लिया।

सम्पादकीय

पर्यावरण में बदलाव से चिंता

शीत ऋतु में मौसम का प्रकोप कुछ इस तरह से अब लोगों को तंग कर रहा है कि सब की निगाहें आसमान पर टिकी है। इंतजार है तो बादलों के बरसने का और ठंड से थोड़ी राहत मिलने का। पिछले कुछ समय से मैदानी क्षेत्रों में पर अपने पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़कर नीचे आ गया है बरसात में होने के कारण हालात ऐसे हो गए हैं कि वह क्षेत्र भी कोहरे की चपेट में है जहां आज से पहले लोगों ने कभी देखा हो। मौसम और पर्यावरण अपनी आदतें बदल रहा है यह न केवल इस शीत ऋतु में बल्कि बरसात एवं ग्रीष्म ऋतु को भी प्रभावित कर रहा है। निश्चित तौर पर पर्यावरण से की गई छेड़छाड़ का असर तो है ही जो मौसम में दिख रहे बड़े बदलाव का बड़ा कारण है। उत्तराखंड में अब तक ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में अच्छा खासा हिमपात देखने को मिल जाता था लेकिन मध्य जनवरी आने के बावजूद अभी भी सैलानियों को पर्यटक स्थलों में बर्फबारी की प्रतीक्षा है। बिना बारिश के कारण बढ़ रही ठंड सेहत पर भी भारी गुजर रही है और जब तक बारिश और बर्फबारी अपना रूप नहीं दिखाएंगे तब तक ठंड का यह मिजाज ठीक होने वाला नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों तो कहते है कि बारिश न होने तक सूखी ठंड इस तरह ही परेशान करेगी। सुबह देर तक कोहरा एवं शाम ढलने से पहले ही पाल अपना दिख रहा है। इंसान का प्रकृति पर कोई बस नहीं है अन्यथा वह अपनी सुविधा के अनुसार मौसम भी बदल लेता लेकिन मनुष्य ने अपने स्वार्थ के अनुसार पर्यावरण का पूरा व्यवहार जरूर बदल दिया है। यह निश्चित है कि जब तक सर्दियों में होने वाली बारिश नहीं होगी तब तक शीत ऋतु का यह असर लोगों को परेशान करता रहेगा। विभाग के पिछले अनुमान भी कोई खास सरदार नजर नहीं आए हैं लेकिन अब एक बार फिर 17 जनवरी के बाद प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश होने की बात कही जा रही है। इन परिस्थितियों में यह बेहद जरूरी है कि फिलहाल लोग अपनी सेहत का ध्यान रखें खासतौर से बुजुर्ग एवं बच्चों को लेकर सावधानियां बरतनी की जरूरत है। ठंड से बचाव बेहद जरूरी है, सांस एवं हृदय रोगियों के लिए बारिश ना होना काश्तकारी साबित हो सकता है क्योंकि हवा में कोहरे एवं पाली की मात्रा बढ़ाने के साथ ऐसे लोगों के लिए परेशानियां भी बढ़ती हैं। सब कुछ अब मौसम पर निर्भर है, कब बरसात होती है और कब लोगों को इस काम कपटी ठंड से राहत मिलती है। सर्दियों में होने वाली बारिश न केवल ठंड के स्वरूप को बदल देती है बल्कि आने वाले महीना में होने वाले मौसम की रूपरेखा भी तैयार करती है। सर्दियों में यदि व्यापक बारिश एवं बर्फबारी नहीं हुई तो भीषण गर्मी के लिए भी तैयार रहना होगा। प्रकृति के आगे मनुष्य आज भी बेबस है, सिर्फ उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही मौसम का मिजाज बदलेगा और यह जानलेवा ठंड आम लोगों को राहत प्रदान करेगी।

तालठोकू फरमान और कांग्रेस का इन्कार

पंकज शर्मा

सवाल है कि सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु झ चारों शंकराचार्य झ बाईस को अयोध्या क्यों नहीं जा रहे हैं; कि उन के उठाए गए शास्त्र—सम्मत ऐतराज़ दफन् क्यों किए जा रहे हैं; कि आधे—अधूरे मंदिर में रामलला की हड़बड़—स्थापना के पीछे कौन—से चुनावी कारण हैं; कि अयोध्या का अध्यात्मीकरण हो रहा है या बाज़ारीकरण? जिस दिन इन सवालों के जवाब दे कर ज़िल्ल—ए—सुब्हानी या उन के कारिंदे भारतवासियों को अपने तर्कों से सहमत कर देंगे, देशवासी खुद कांग्रेसी कंगूरों को वहां छोड़ आएंगे, जहां पानी भी नहीं मिलता है।हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है। क्या अब से पहले आप सोच भी सकते थे कि कट्टर हिंदुत्व के आलमबरदारों के दशकों के संघर्ष के बाद अयोध्या में जब राम के मंदिर की 'प्राणप्रतिष्ठा' हो रही होगी

हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है।ज्मान्यता है कि प्रभु श्रीराम ईसा से 5114 साल पहले जनवरी महीने की दस तारीख़ को जन्मे थे। तब चैत्र महीने का शुक्ल पक्ष था। इस दिन हम हर साल रामनवमी मनाते हैं। इस वर्ष रामनवमी 18 अप्रैल को है।ज्इसलिए सोनिया गांधी इस रामनवमी पर रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएं। मल्लिकार्जुन खडग़े, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी जाएं तो और अच्छा।

22 जनवरी को श्रीराम मदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा भेजा गया रामलला के कथित प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण कांग्रेस ने 'बहुत आदरपूर्वक' अस्वीकार कर दिया। इस के बाद सारा 'मोशा मीडिया' कांग्रेस पर पिल पड़ा। उस ने छोटे परदे और कागज़ी पन्नों के दस्तरख़्वान पर अपने समर्थक विशेषज्ञों को ऐसा परोसा, ऐसा परोसा कि इस मसले पर देश की भावनाएं उफन—उफन कर अपने गर्म सैलाब में सारे बुनियादी सवालों को बहा ले जाएं। मैं तो बहुत खुश हूं कि अर्णबों, अंजनाओं, नाविकाओं और उन के अनुवर्ती चट्टोबट्टों के फेंके तमाम पत्थरों के बावजूद भारत के सर्वसमावेशी आसमान में कोई सूराख़ नहीं हुआ।

हो सकता है कि अपनी अस्वीकृति का ऐलान करने के प्रारूप की वाक्य संरचना गढऩे में कांग्रेस ने उतनी परिपक्वता से काम नहीं लिया हो। लेकिन न तो यह गांधी के ज़माने की कांग्रेस है, न नेहरू और इंदिरा गांधी के ज़माने की। यह राजीव गांधी के वक़्त के प्रारूप—महारथी प्रणव मुखर्जी, पामुलपर्ति नरसिंह राव, विल गाडगिल और एच वाय शारदाप्रसाद के ज़माने की कांग्रेस भी नहीं है। यह सोनिया गांधी के दौर में अक्षर—विश्व रचने वाले नटवर सिंह, अर्जुन सिंह, मणिशंकर अय्यर और सुमन दुबे सरीखे सलीकेदारों की कांग्रेस भी नहीं है। सो, मैं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडग़े के इस संक्रमण—समय में शब्द—विधा के वेदव्यास बने घूम रहे मुकरियों के भानुमति कुनबे द्वारा तैयार किए गए इतने संक्षिप्त और बेहद बचकाने मसविदे के लिए उन्हें माफ़ करता हूं और आप से भी 'छोटन के इस उत्पात' को 'बडऩ होने के नाते क्षमा करने' का अनुरोध करता हूं।सोमवार, 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाने का सूचना कांग्रेस ने किन शब्दों में सार्वजनिक की, महत्व इस का नहीं है। बेहतरी की गुंजाइश हर मामले में हमेशा रहती है। लेकिन, मेरे हिसाब से, सब से बड़ी अहमियत यह है कि कांग्रेस ने अपने स्पष्ट इरादे का खुलेआम ऐलान तो किया; चुनावों में नफ़े—नुक़्सान की बात सोचे बिना एक फ़ैसला तो लिया; पार्टी के भीतर ही तरह—तरह के दबावों को दरकिनार कर के कमाल की दृढ़ता तो दिखाई; बनियादी मूल्यों और सिद्धांतों को फ़ौरी ज़रूरतों से ज़्यादा तरज़ीह तो दी; और, कलियुगी भौतिकता से परे जा कर राजनीति के चिरंतन दर्शन को अंगीकार तो किया। क्या आप को लगता है कि आज के 'दैहिक, दैविक, भौतिक तापा' के दौर में यह कोई मामूली बात है?

इसलिए मैं कांग्रेस की 'सकल शीर्ष कतार' की तमाम ऊह्याइयों के बावजूद मानता हूं कि हमें उन्हें खारिज़ करने का अभी कोई हक़ नहीं है। इसलिए कि अभी उन सवालो के जवाब नहीं मिले हैं, जो अयोध्या के आसमान में तैर रहे हैं। सवाल है कि सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु झ चारों शंकराचार्य झ बाईस को अयोध्या क्यों नहीं जा रहे हैं; कि उन के उठाए गए शास्त्र—सम्मत ऐतराज़ दफन् क्यों किए जा रहे हैं; कि आधे—अधूरे मंदिर में रामलला की हड़बड़—स्थापना के पीछे कौन—से चुनावी कारण हैं; कि अयोध्या का अध्यात्मीकरण हो रहा है या बाज़ारीकरण? जिस दिन इन सवालों के जवाब दे कर ज़िल्ल—ए—सुब्हानी या उन के कारिंदे भारतवासियों को अपने तर्कों से सहमत कर देंगे, देशवासी खुद कांग्रेसी कंगूरों को वहां छोड़ आएंगे, जहां पानी भी नहीं मिलता है।हालांकि बहुतों को लगता है, मगर मुझे नहीं लगता कि 22 को अयोध्या पहुंचने के फ़रमान को सरयू में तिरोहित कर देने के कांग्रेसी निर्णय से उसे कोई चुनावी नुक़्सान होगा। उलटे इस से भारतीय जनता पार्टी समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तमाम सहयोगी संगठनों की नीयत पर प्रश्नचिह्न लग गया है। क्या अब से पहले आप सोच भी सकते थे कि कट्टर हिंदुत्व के आलमबरदारों के दशकों के संघर्ष के बाद अयोध्या में जब राम के मंदिर की 'प्राणप्रतिष्ठा' हो रही होगी, तब देश में हिंदुओं का एक बड़ा तबका उस की शुचिता से जुड़े मसलों पर इतना गहन विमर्श कर रहा होगा? इतनी भावनात्मक लहर को विचारों के विश्लेषण के हवाले तो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 'मैं—मैं वाद' ने खुद ही कर डाला। अगर उन्होंने रामलला को अपनी उंगली पकड़ा कर अयोध्या के मंदिर में प्रवेश कराने की संकीर्ण ललक पर काबू रखा होता तो क्या इस आयोजन की बलैयां लेने को समूचा देश आज उमड़ नहीं रहा होता? मगर खुद को जबरन हमेशा सब से अगली कतार में थोपने की अस्वस्थ फ़ितरत ने रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के दूध को भी दो—फाड़ कर दिया। भारत के 80 फ़ीसदी बहुसंख्यक समाज के लिए ताजा सदी में इस से बड़े सर्वसम्मत उत्सव का दिन और कौन—सा होता? एक अकेले नरेंद्र भाई अगर छाती ठोक—ठोक कर सब पर भारी पडऩे की अपनी अंतःप्रकृति में ज़रा—सी तब्दीली कर पाते तो उन की भी महिमा बढ़ती और हिंदू समाज की गरिमा भी चौगुनी हो जाती।

प्रारब्ध का अपयश योग इसे ही कहते हैं। बहुत बार किसी के हाथ से जीवन में बड़े अहम काम होने लिखे होते हैं। लेकिन अंतर्निहित दुर्भाग्य उस के सारे उपक्रमों को बखेड़े में डाल देता है। जो सर्वज्ञाता और सर्वशक्तिमान होने की ख़ामख़्याली के मकडज़ाल में फंस जाते हैं, दैवीय विघ्नहर्ता शक्तियां भी उन से मुंह फेर कर बैठ जाती हैं। अयोध्या में रामलला की परमपावन अगवानी का दृश्य इसी की तवारीखी नज़ीर है। जब तक सूरज—चांद रहेगा, तब तक लोग याद करेंगे कि जब अयोध्या में रामलला की प्रतिमा में परमशक्ति के प्राण प्रवेश कर रहे थे तो मंदिर के गर्भगृह में किस की अनावश्यक उपस्थिति की वज़ह से एक धार्मिक आयोजन की धवलता सियासत के गंदले छींटों से मलिन हो गई थी। कोई कभी नहीं भूल पाएगा कि अगर एक व्यक्ति राम भक्तों के पूरे जत्थे पर खुद के पीछे—पीछे चलने की पाबंदी लगाने की तालठोकू प्रवृत्ति से परे रह पाता तो 22 जनवरी को हर कोई रामलला के आंगन में ख़ालिस मन से नाच रहा होता।

विन्ध्य पार भाजपा की ज्यादा तैयारी!

हरिशंकर व्यास,

भाजपा प्रदेश में शिंदे, अजित पवार के चेहरों को कतई आगे नहीं रखेगी। केवल नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी।रणनीति में केवल मोदी और मंदिर का वह हल्ला रहेगा जिससे ठाकरे के भगवा वोट टूटेंगे तो कांग्रेस की दलित—आदिवासी, ओबीसी राजनीति वैसे ही बेअसर होगी जैसे छतीसगढ़, राजस्थानके हाल के विधानसभा चुनावों में थी।

एकनाथ शिंदे के खेमें का असली शिवसेना घोषित होना अंहम सियासी संकेत है। इससे48 लोकसभा सीटों की चुनावी तस्वीर साफ हुई है। महाराष्ट्र में भाजपा अकेले अपने दम पर, अधिकाधिक सीटों पर लड़ेगी। शिंदे और अजित पवार के लोगों को भाजपा 48 में से दस सीटे बांटे तो बड़ी बात होगी।दोनों के जमीनी आधार को लेकर भाजपा गलतफहमी में नहीं है। सबने माना हुआ था कि शिंदे गुट की ठाकरे परिवार के भगवा वोटों पर पकड़ नहीं है। सो पहली बात भाजपा बनाम ठाकरे परिवार के बीच अगला चुनाव आर—पार का है। भाजपा की पहली प्राथमिकता मुंबई, थाने, पूणे की पट्टी से ठाकरे पार्टी के सफाए की होगी। भाजपा राम मंदिर की हवा और नरेंद्र मोदी के चेहरे पर महाराष्ट्र में वैसे ही परिणामों की उम्मीद में है जैसे उत्तरप्रदेश में उम्मीद है। सोचे, यदि यूपी में भाजपा 80 में से 75 सीटे जीते और महाराष्ट्र की 48 में से चालीस सीटे जीते तो मई के चुनावों में भाजपा की 400 सीटों का हल्ला साकार हो सकता है। क्या ऐसा सिनेरियों उद्धव ठाकरे, शरद पवार, कांग्रेस नेता, अखिलेश और मायावती को समझ आ रहा होगा? ये इस हिसाब से क्या कोई करों—मरों वाली चुनावी तैयारियां करते हुए है।

हां, अयोध्या में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की हवा काफी हद तक अखिल भारतीय होनी है। नरेंद्र मोदी, अमित शाह आदि भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना की चुनिंदा सीटों पर जैसा ध्यान दिया है वह चौंकाने वाला है। पिछले चुनावों में 30 प्रतिशत के आसपास के भाजपा वोटों वाली तमाम सीटों पर माइक्रों लेवल पर भाजपा—संघ नेता काम करते हुए है। जैसे भाजपा चुनाव में नेताओं के भाषणों की शुरूआत कॉरपेट बमबारी से करती है और माहौल बनाती है वैसे ही इस बार विन्ध्य पार भाजपा बड़ा हल्लाबोल बनाएगी। केंद्रीय मंत्रियों और नामी चेहरों को चुनाव में उतारेगी तो चुएक—एक संभव सीट पर विपक्ष की फूट का फायदा उठा कर 35 प्रतिशत वोटों से सीट जीतने की मेहनत करेगी।

ध्यान रहे केरल, तमिलनाडु में भी ऐसी पांच—छह सीटे है जहां भाजपा को 25—30 प्रतिशत वोट मिले हुए है। सो यदि केरल में कांग्रेस—लेफ्ट फ्रंट चुनाव में आमने—सामने हुए (जिसकी संभावना है) तो भाजपा चुनाव में पांच—आठ प्रतिशत बढ़वा कर कुछ सीटों पर अनहोनी कर सकती है। चैन्नई दक्षिण में यदि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उम्मीदवार हुई तो द्रविड पार्टियों के आपसी मुकाबले में उनके जीतने के अवसर बन सकते है। जब काशी—तमिल संगम और दक्षिण के तीर्थों को अयोध्या, काशी से जोडऩे जैसेहल्ले है और चुनावी प्रबंधों, संसाधनों में सबकुछ रिकार्ड तोड होगा तोविपक्ष की फूट वाली सीटों पर भाजपा अपना वोट आधार कुछ प्रतिशत बढ़ा ले तो वह विपक्ष के लिए बहुत नुकसानदायी होगा।

इस रणनीति में महाराष्ट्र में सर्वाधिक काम होना है। मुमकिन है प्रदेश की 48 सीटों में भाजपा 35—40 सीटे अकेले लड़े औरवह2019 से भी अधिक सीटे पा जाए। यों कांग्रेस—उद्धव ठाकरे गुट में सीट बंटवारे की बात हो रही है। शरद पवार भी भतीजे अजित पवार से दूरी बनाए हुए है। बावजूद इसके लोकसभा चुनाव की घोषणा तक ठाकरे— कांग्रेस—पवार खेमें का एलायंस बिखरा औरअनिश्चितताओं में रहेगा। संस्पेस चलेगा। इन्हे संसाधनों का भी टोटा होगा। भाजपा प्रदेश में शिंदे, अजित पवार के चेहरों को कतई आगे नहीं रखेगी। केवल नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी।रणनीति में केवल मोदी और मंदिर का वह हल्ला रहेगा जिससे ठाकरे के भगवा वोट टूटेंगे तो कांग्रेस की दलित—आदिवासी, ओबीसी राजनीति वैसे ही बेअसर होगी जैसे छतीसगढ़, राजस्थानके हाल के विधानसभा चुनावों में थी।

तभी लोकसभा चुनाव में विन्ध्य पार का मुकाबला कांटे वाला होगा। हालांकि धारणा बनी हुई है कि दक्षिण भारत में इंडिया एलायंस भारी है। ध्यान रहे विन्ध्य पार के बड़े—छोटे—केंद्रशासित आठ प्रदेशों की 162 लोकसभासीटों में भाजपा के कोई पचास सांसद है। धारणा है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र मेंभाजपा की सीटे घटेगी और कांग्रेस की बढेगी। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बन गई है तो वह लोकसभा में भी कामयाब होगी। कर्नाटक को लेकर अपने को शक है क्योंकि भाजपा ने देवगौड़ा की वोकालिग्गा बहुल पार्टी जनता दल (एस) से पुख्ता तालमेल बनाया है। और फिर यदि कुछ नुकसान हुआ भी तो उसकी भरपाई के लिए आठ राज्यों की 162 सीटोंमें से महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना की 20—30 अतिरिक्त सीटों पर कांटे की लड़ाई बना जीतने में समर्थ है।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई चुनाव चिह्न 'बल्ला' से वंचित

इस्लामाबाद ,एजेंसी। 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले देश के सर्वोच्च न्यायालय ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के फैसले को बरकरार रखा है और इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के अंतर–पार्टी चुनावों को रद्द कर दिया है, इससे पार्टी चुनाव से बल्ले से वंचित हो गई है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। तीन दिनों तक लगातार सुनवाई के बाद, मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति मुसर्रत हिलाली की तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने ईसीपी की याचिका पर शनिवार रात 11.15 बजे फैसला सुनाया। पीटीआई के बल्ले के चुनाव चिन्ह की बहाली के संबंध में पेशावर उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने कहा, पीटीआई द्वारा केवल एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना, जिसमें कहा गया है कि अंतर–पार्टी चुनाव हुए थे, यह स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता कि ऐसे चुनाव वास्तव में आयोजित किए गए थे, खासकर जब कुछ पार्टी के सदस्य इस दावे को चुनौती दे रहे हैं।22 दिसंबर को, कुछ विद्रोही पीटीआई सदस्यों द्वारा दायर शिकायतों पर सुनवाई करते हुए चुनाव निगरानी संस्था ने 2 दिसंबर को हुए पीटीआई के इंट्रा–पार्टी चुनावों को अमान्य कर दिया था।

पीटीआई ने ईसीपी के आदेश के खिलाफ पेशावर उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसने बुधवार को चुनाव निकाय के फैसले को गैरकानूनी, बिना किसी कानूनी अधिकार के और बिना किसी कानूनी प्रभाव वाला घोषित किया था।सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीटीआई नेताओं ने कहा कि हालांकि पार्टी ने अपना चुनाव चिह्न खो दिया है, लेकिन वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

पाकिस्तान में आईईडी विस्फोट में पांच जवानों की मौत

इस्लामाबाद ,एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में पांच सैनिक मारे गए। बुलेदा इलाके में सडक़ के किनारे लगाए गए आईईडी में शनिवार शाम उस समय विस्फोट हो गया, जब सुरक्षाकर्मियों का वाहन इलाके से गुजर रहा था। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग, इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा, आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अली मर्दन डोमकी, गृह मंत्री मीर जुबैर अहमद जमाली ने घटना की कड़ी निंदा की है। खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान और डेरा इस्माइल खान जिलों में दो खुफिया–आधारित अभियानों में चार आतंकवादी मारे गए।

सोनिया गांधी पर टिप्पणी करके बुरे फंसे उपमुख्यमंत्री नारायण स्वामी, मामला दर्ज

हैदराबाद ,(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री नारायण स्वामी के खिलाफ कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के एक नेता की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस नेता की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नारायण स्वामी ने कांग्रेस पार्टी की नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। दरअसल, साल 2009 में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में वाईएसआर की मौत को लेकर नारायण स्वामी ने बयान दिया था। इस बयान को सोनिया गांधी के साथ भी जोड़ा गया था। इसी मामले में मल्लू रवि ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी की मौत से सोनिया गांधी और तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को जोड़े जाने संबंधी नारायण स्वामी की कथित टिप्पणियों को लेकर पुलिस में शिकायत की है। बता दें कि राजशेखर रेड्डी की 2009 में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसी मामले में नारायण स्वामी ने टिप्पणी की थी। वहीं शिकायतकर्ता मल्लू रवि ने आरोप लगाया है कि स्वामी ने गलत जानकारी फैलाई है। वहीं पुलिस का कहना है कि शहर के बेगमबाजार पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।बता दें कि मल्लू रवि ने कुछ अन्य नेताओं के साथ मिलकर पिछले हफ्ते शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले को कानूनी राय के लिए भेज दिया था। कानूनी राय लेने और नारायण स्वामी द्वारा की गई टिप्पणियों के वीडियो फुटेज का विश्लेषण करने के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 504 और 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया।

बेंजामिन नेतन्याहू की चेतावनी, बोले– जब तक जीत नहीं जाते, हमास के खिलाफ युद्ध जारी रहेगा

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनका देश हमास के खिलाफ जीत के अंत तक युद्ध जारी रखेगा।

नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में दक्षिण अफ्रीका के आरोपों की निंदा करते हुए, शनिवार देर शाम इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि अफ्रीका

कहता है कि उनका देश गाजा पट्टी में नरसंहार कर रहा है। उन्होंने कहा, "हम जीत की राह पर हैं और हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम जीत हासिल नहीं कर लेते।" उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कहा था कि यह सिर्फ इजरायल का युद्ध नहीं है बल्किअमेरिका का भी युद्ध है।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका द्वारा आईसीजे में शिकायत की आलोचना की और पूछा, "वे किसका समर्थन करते हैं?

शराब की बोतल में कीड़े जैसा पदार्थ, टीएएसएमएसी को देना होगा 5 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई ,(एजेंसी)। श्रीविलीपुथुर के तमिलनाडु उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक उपभोक्ता की शिकायत पर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम लिमिटेड (टीएएसएमएसी) और एक डिस्टिलरी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि उपभोक्ता ने निगम के आउटलेट से खरीदी गई ब्रांडी की बोतल में बग जैसा पदार्थ पाया था।5 लाख रुपये के जुर्माने के अलावा, दोनों पक्षों को याचिका दायर करने वाले शिकायतकर्ता को 35,120 रुपये की राशि का भुगतान करने का निर्देश भी दिया गया है।जिला उपभोक्ता निवारण आयोग के अध्यक्ष एसजे चक्रबर्ती और सदस्य एम. मुथुलक्ष्मी ने प्रभावित पक्ष ए. मारीकन्नन द्वारा दायर याचिका पर आदेश जारी किया।

घने कोहरे की चादर में लिपटा उत्तर भारत, दिल्ली एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी जीरो; 7 फ्लाइट्स को किया डायवर्ट

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। उत्तर भारत में आज रविवार सुबह वातावरण में चारों तरफ घने कोहरे की चादर छाई हुई है। इससे सडक़ से रेलवे और हवाई यातायात भी प्रभावित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, घने कोहरे के कारण आज सुबह पांच बजे दिल्ली स्थित ह्लत्रह्व एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी का स्तर शून्य हो गया, इससे कई फ्लाइट्स की उड़ान के समय में देरी हुई है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के मौसम के कारण 4.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 7 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया है। इसमें से छह को जयपुर और एक को मुंबई के लिए डायवर्ट किया गया। विस्तारा की दिल्ली से पुणे की उड़ान में एक घंटे से अधिक की देरी हुई है।

वहीं, कोहरे के साथ–साथ कड़ाके की सर्दी का सितम भी जारी है। रविवार सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, आरके पुरम क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार को, शहर का कोल्ड डे की स्थित बनी थी।

दिल दहलाने वाली घटना, अंगीठी जलाकर सो गया परिवार, दम घटुने से चार लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अलीपुर के खेड़ा कलां गांव में दंपत्ति और दो बच्चों की मौत से हड़कंप मच गया है। चारों के शव एक कमरे से बरामद हुए हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घटना के संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसा अंगीठी जलाने की बजह से पेश आया है।

जानकारी के अनुसार अंगीठी जलाने की वजह से पूरा घर गैस से भर गया और दम घुटने से चोरों की मौत हो गई। सुबह पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर छानबीन में जुटी है। अलीपुर के खेड़ा कलां गांव में मरने वाले की पहचान 40 साल के राकेश, उनकी पत्नी ललिता (38), बेटा पियूष (8) और सन्नी

(7) साल के रूप में हुई है। राकेश टैंकर चालक थे। परिवार मूलतः बिहार के मुंगेर का रहने वाला था।

अतिरिक्त डीसीपी (बाहरी उत्तर) बी भरत रेड्डी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दंपती और 2 बच्चों की मौत हो गई है। एक फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। अंगीठी के नमूने एकत्र किए गए हैं। संदेह है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई है। हर पहलू से जांच चल रही है।

भारतीय प्रवासियों के लिए दरवाजा खुला रखें अभियान, वैश्विक भारतीय प्रवासियों के लिए दोहरी नागरिकता की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय मूल के व्यक्तियों के एक समूह, इंडियन डायस्पोरा ग्लोबल ने दुनिया भर में भारतीय डायस्पोरा के लिए दोहरी नागरिकता की वकालत करते हुए कीप द डोर ओपन अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य उन भारतीय प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना है, जिन्हें मौजूदा नियमों के कारण दूसरे देश में नागरिकता प्राप्त करते समय अपनी भारतीय नागरिकता छोडऩी पड़ती है।भारत में दोहरी नागरिकता के कानूनी, संवैधानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और विधायी पहलुओं पर गहराई से विचार करने के लिए, इंडियन डायस्पोरा ग्लोबल एक परामर्श सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन 16 जनवरी 2023 को कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब ऑफ इंडिया में दोपहर 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। इंडियन डायस्पोरा ग्लोबल के संस्थापक और अध्यक्ष मेल्विन विलियम्स ने इस मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, बेहतर संभावना की तलाश में जाना कोई अपराध नहीं है जिसके लिए दंडित किया जाए। जैसे एक माँ अपने बच्चों के वापस आने का इंतज़ार करती है, जब भी वे चाहें, उसी प्रकार भारत माता अपने बच्चों के वापस उनके पास आने का इंतजार कर रही है। उन्होंने बताया कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था और संपत्ति पर भारी नुकसान हो रहा है। घर वस्तुतः खाली हो रहे हैं। प्रतिभा पलायन को संबोधित करने के लिए यह एक संभावित समाधान हो सकता है।

हम भारतीय मूल को उनकी जड़ों से जोडऩे का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि हम भारतीय प्रवासियों के लिए भारत में दोहरी नागरिकता चाहते हैं। यह परामर्श सम्मेलन दोहरी नागरिकता के संबंध में सांसदों के दृष्टिकोण पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिसमें भारतीय सांसदों, राजनयिकों, प्रतिष्ठित हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मीडिया से समर्थन आमंत्रित किया जाएगा।

दिल्ली में पोंगल उत्सव में शामिल हुए पीएम मोदी, देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में पोंगल उत्सव में शामिल होकर सभी नागरिकों को इस त्योहारी सीजन पर सभी पर्वों की शुभकामनाएं दी। पोंगल के पर्व को एक भारत–श्रेष्ठ भारत की राष्ट्र भावना को दर्शाने वाला पर्व बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सभी को पोंगल के पर्व की अनेक–अनेक शुभकामनाएं। पोंगल के पवित्र दिन तमिलनाडु के हर घर से पोंगल धारा का प्रवाह होता है। मेरी कामना है उसी तरह आपके जीवन में भी सुख, समृद्धि और संतोष की धारा का प्रवाह निरंतर होता रहे। कल ही देश ने लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया है। कुछ लोग आज मकर संक्रांति–उत्तरायण मना रहे हैं।

गोवा में अत्यधिक तापमान और जंगल की आग बनी जलवायु संकट का सबब

पणजी ,(एजेंसी)। जीवाश्म ईंधन के बढ़ते उपयोग के कारण ग्लोबल वार्मिंग, मौसम के पैटर्न में बदलाव और लू जैसी समस्याएं कृषि उत्पादन और तटीय राज्य गोवा के लोगों को प्रभावित कर रही है।

पर्यावरणविद् लोगों के जीवन और पर्यावरण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी पेड़ लगाने और अन्य उपाय करने का सुझाव देते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, गोवा में वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके चलते राज्य में बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन हो रहा है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् राजेंद्र केरकर ने कहा, जिस तरह से हम जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर रहे हैं वह ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ा रहा है। गोवा में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है और इसके चलते कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी पेड़ लगाकर उत्सर्जन स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है जो बदले में कार्बन सिंक के रूप में कार्य करेगा।

केरकर ने कहा, लोग इन पौधों पर ध्यान नहीं देते, जो हमें इस समस्या से निजात दिला सकते

हैं। हमें ऐसे पेड़ लगाने की जरूरत है जो मृदा संरक्षण में मदद कर सकें और हमें वायु प्रदूषण से भी बचा सकें।केरकर ने बताया, हमें यह अध्ययन करने की आवश्यकता है कि पहले किस प्रकार के पेड़ लगाए जाते थे और उसका पालन करना चाहिए। आजकल हम बहुत ज्यादा बिजली का उपयोग कर रहे हैं जो ज्यादातर कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से उत्पन्न होती है। इससे समस्या और बढ़ जाती है। पिछले साल मार्च में, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा लू की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए, गोवा शिक्षा विभाग ने दोपहर से पहले दो दिनों के लिए स्कूलों को बंद करने का फैसला किया था।मार्च में गोवा का अधिकतम तापमान सामान्य से 4–6 डिग्री सेल्सियस अधिक था और राजधानी शहर में दिन का तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस था। सरकार ने कहा कि भारी बारिश और तापमान में वृद्धि का राज्य में कृषि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, हालांकि लू के कारण काजू की फसल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। पिछले साल भीषण आग से लगभग 10,560 काजू के पेड़ नष्ट हो गए थे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह लू के कारण भडक़ी थी या यह वन भूमि को साफ करने के प्रयास में आगजनी का मामला था।

बार–बार जंगलों में लगने वाली आग पर आलोचना झेलने के बाद गोवा सरकार ने अब संवेदनशील इलाकों पर ड्रोन से नजर रखने का फैसला किया है। वन मंत्री विश्वजीत राणे ने हाल ही में कहा था कि गोवा में जंगल की आग को रोकने के उपायों के तहत दस ड्रोन खरीदे जाएंगे। राणे ने कहा, शुरुआत में दस ड्रोन खरीदे जाएंगे और जरूरत पड़ी तो हम और भी खरीदेंगे। स्थिति से निपटने के लिए लगभग 600 ट्रेकर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा और अगर कोई घटना होती है तो स्थानीय लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।उन्होंने कहा, ग्लोबल वार्मिंग, मौसम परिवर्तन और बारिश के पैटर्न में बदलाव जैसे मुद्दे हमें प्रभावित कर रहे हैं। नवंबर और दिसंबर में भी बारिश होती है। हम जंगल की आग को रोकने के लिए उपाय कर रहे हैं और यदि कोई घटना होती है तो स्थानीय लोगों को भी शामिल करेंगे उन्होंने कहा कि ड्रोन से वन क्षेत्रों पर नजर रखी जाएगी और आग लगाने वालों के खिलाफ गोवा सरकार कार्रवाई करेगी। राणे ने कहा, अगर लोग साफ करने के लिए अपने काजू बागान में आग जलाते हैं, तो भी वन विभाग कार्रवाई करेगा। क्योंकि जंगल की आग के लिए अंततः हमें ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, 2019 से मार्च 2023 तक जंगल की आग की 200 घटनाओं से लगभग 470.22 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पर्यावरणविद् अभिजीत प्रभुदेसाई ने भी कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर कृषि पर पड़ रहा है और इसलिए सरकार को प्राथमिकता के आधार पर बजट में अधिकतम प्रावधान करके इन मुद्दों का समाधान करना चाहिए।

स्नूकर ओपन : किशोर खिलाड़ी सुमेर, शाहयान ने शानदार जीत दर्ज की

मुंबई ,किशोर खिलाड़ी सुमेर मागो और शाहयान रजमी ने एनएससीआई बिलियर्ड्स हॉल में ऑल इंडिया स्नूकर ओपन 2024 के पहले दौर के मैचों में क्रमशः निपुण प्रतिद्वंद्वियों स्पर्श फेरवानी और रोविन डिसूजा पर शानदार जीत दर्ज की। बाद में, अनुभवी प्रचारक और दो बार के पूर्व एशियाई स्नूकर चैंपियन यासीन मर्चेंट ने एक रोमांचक मैच में अपने प्रशिक्षु विनय स्वामीनाथन के सामने शानदार प्रदर्शन किया। स्नूकर उस्ताद ने अपने अतीत की झलक दिखाई और स्वामीनाथन के खिलाफ लगातार प्रहार किया। वह 66–54, 32–62, 55–75(51), 72–22, 86–9, 83(51)–1, 5–83(73), 0–89, 82(81)–9 से जीत हासिल करने में सफल रहे।19 वर्षीय सुमेर ने साहस का परिचय देते हुए महत्वपूर्ण निर्णायक नौवें फ्रेम को मामूली अंतर से जीत लिया और अपने प्रैक्टिस पार्टनर फेरवानी को सर्वश्रेष्ठ 9 फ्रेम मुकाबले में 5–4 से जीत दिला दी। सुमेर के 4–1 की बढ़त बनाने के बाद फेरवानी ने वापसी करते हुए स्कोर 4–4 से बराबर कर लिया। लेकिन सुमेर ने अंतिम फ्रेम जीतने के लिए आत्मविश्वास से खेला और 59–25, 57–25, 91–32, 17–87, 67–13, 28–78, 48–65, 17–73 और 63–55 से जीत हासिल की। दूसरे दौर में आगे बढने के लिए. सुमेर को तीसरे फ्रेम में 51 का एक ब्रेक मिला, जबकि फेरवानी ने चौथे और छठे फ्रेम में 61 और 56 के दो ब्रेक लगाए, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ गए।इसके विपरीत, 18 वर्षीय शाहयान ने अनुभवी क्यूइस्ट रोविन डिसूजा के खिलाफ ठोस और स्थिर प्रदर्शन किया और 5–2 के फैसले के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। शाहयान ने तूफानी अंदाज में शुरुआत करते हुए पहले चार फ्रेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली। डिसूजा ने अगले दो फ्रेम लेकर खुद को शर्मिंदा होने से बचा लिया। इससे पहले शाहयान ने सातवां फ्रेम जीतकर 63–56, 91–40, 51–39, 48–11, 23–67, 1– जीत हासिल कर जीत की लय में वापसी की। युवा खिलाड़ी ने दूसरे फ्रेम में 60 का ब्रेक बनाया और 62–61 से जीत हासिल की। इस बीच, एनएससीआई क्यूइस्टों के बीच लड़ाई में अनुभवी अभिषेक बजाज ने भी शानदार प्रदर्शन किया, खासकर चौथे मैच में समय वधावन को 5–1 से हराया। बजाज ने 51–27, 56–43, 38–66, 51–47, 89–27 और 74–50 से जीत हासिल की। त्रिशा गुरबक्सानी ने पहला फ्रेम जीतने में 70 अंकों का ब्रेक लेकर जोरदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने लगातार खेलते हुए रितिक जैन को 5–2 (85(70)–49, 13–64, 62–46, 69–27, 27–72, 63–48, 64–8) से हराया।

पीकेएल 10 : देशवाल चमके, जयपुर पिंक पैंथर्स ने पुणेरी पलटन की जीत का सिलसिला रोका

जयपुर ,अर्जुन देशवाल के शानदार प्रदर्शन के दम पर जयपुर पिंक पैंथर्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में पुणेरी पलटन की आठ मैचों की जीत का सिलसिला खत्म कर दिया। मेजबान टीम ने 36–34 से जीत दर्ज की। पहले हाफ की समाप्ति पर पलटन ने 20–11 की बड़ी बढ़त बना ली, लेकिन पैंथर्स ने दूसरे हाफ में वापसी करते हुए अंत में शानदार जीत हासिल की। सीजन के अग्रणी रेडर देश-ावाल रात में 16 अंकों के साथ पैंथर्स के लिए स्टार थे। देशवाल ने अच्छी शुरुआत की और घरेलू टीम ने तीसरे मिनट में ही 3–2 की बढ़त बना ली। लेकिन, पलटन ने 5–5 से बराबरी कर ली। देशवाल ने रेड अंक जुटाना जारी रखा और पैंथर्स ने 9वें मिनट में 9–6 पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, पलटन ने 12वें मिनट में टीम को 8–10 से गेम में बनाए रखा।मोहम्मदरेजा शादलूई चियानेह ने अपने खेल में सुधार किया और पुणे की टीम ने 16वें मिनट में स्कोर एक बार फिर 11–11 से बराबर कर लिया। पंकज मोहिते ने 18वें मिनट में शानदार डबल–प्वाइंट रेड मारी और पलटन को 14–11 से आगे कर दिया। कुछ ही देर बाद पुणे की टीम ने ऑल–आउट कर पहले हाफ की समाप्ति पर अपनी बढ़त 20–11 कर ली। पैंथर्स ने दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में मोहित गोयत को टैकल किया, लेकिन शादलौई ने दूसरे छोर से टैकल पॉइंट बटोरे और 25वें मिनट में पुणे को 21–13 से आगे रखा। हालांकि, देशवाल ने सुपर रेड मारी और पैंथर्स ने 29वें मिनट में पुणे की टीम को केवल एक खिलाड़ी तक सीमित कर दिया। कुछ ही क्षण बाद घरेलू टीम ने ऑल आउट कर दिया। उस समय तक स्कोर 22–23 हो गया। इसके बाद पैंथर्स ने गति पकड़ी और जल्द ही 24–23 से बढ़त हासिल कर ली। भवानी राजपूत ने शादलूई को बाहर करने के लिए एक शानदार रेड मारी, जिससे पैंथर्स ने 34वें मिनट में 28–23 से अच्छी बढ़त हासिल कर ली।

अंतुम नकवी ने रचा इतिहास, किसी भी प्रतिनिधि क्रिकेट में 300 रन बनाने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी बने

हरारे ,मिड वेस्ट राइनोज का नेतृत्व कर रहे 24 वर्षीय अंतुम नकवी ने प्रतिनिधि क्रिकेट के किसी भी स्तर पर तिहरा शतक लगाने वाला जिम्बाब्वे टीम का पहला खिलाड़ी बनकर जिम्बाब्वे क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। हरारे में राइनोस बनाम माटाबेलेलैंड टस्कर्स लोगान कप मैच के दौरान यह उल्लेखनीय उपलब्धि सामने आई। जैसे ही तीसरे दिन का खेल शुरू हुआ, पहले से ही 250 रन बनाकर खड़े नकवी ने टस्कर्स के 128 रन के जवाब में अपनी टीम को 3 विकेट पर 461 रन तक पहुंचा दिया। नकवी का निरंतर प्रदर्शन जारी रहा, दोपहर के भोजन से पहले 300 रन के मील के पत्थर तक पहुंच गए, साथ ही जिम्बाब्वे के कई रिकॉर्ड फिर से लिखे।

300 रन की अपनी यात्रा में नकवी ने 2017–18 सीजन में सेफस जुवाओ के 265 को पीछे छोड़ते हुए, सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के लिए लोगान कप प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहीं नहीं रुके, उन्होंने रे ग्रिपर के 279 रन को पीछे छोड़ दिया, जो दक्षिण अफ्रीका में 1967–68 के करी कप के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जिम्बाब्वे के किसी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर था। अंतिम मील का पत्थर 1973–74 में ब्रायन डेविसन का 299 रन था, जो प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त करने से पहले लोगान कप का उच्चतम स्कोर था। ग्रीम हिक और मरे गुडविन ने भले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में तिहरे शतक लगाए हों, लेकिन नकवी की उपलब्धि एक अलग सम्मान रखती है क्योंकि यह इंग्लिश काउंटी सर्किट में नहीं बल्कि जिम्बाब्वे टीम के लिए सामने आई है। हालाँकि 2000–01 सीजन में क्वेक्वे में जिम्बाब्वे ए के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए मार्क रिचर्डसन का 306 रन जिम्बाब्वे की धरती पर सर्वश्रेष्ठ प्रथम श्रेणी स्कोर है, लेकिन 300 पर उनके साथ 3 विकेट पर 538 रन पर पारी घोषित करने का नकवी का निर्णय दबाव डालने के लिए एक रणनीतिक कदम दर्शाता है।

एएफसी एशिया कप : ब्लू टाइगर्स ने ऑस्ट्रेलिया से हारने से पहले कड़ा संघर्ष किया

दोहा , यहां के अहमद बिन अली स्टेडियम में एएफसी एशियाई कप 2023 के अपने शुरुआती ग्रुप बी मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 0–2 से हारने से पहले 50 मिनट तक कड़ा संघर्ष किया। भारत, जिसने पहले हाफ में अपने उग्र प्रतिद्वंद्वियों को रोकने के लिए उल्लेखनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया था, को पहली बार 50वें मिनट में अपने हथियार डालने पड़े, जब अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू मार्टिन बॉयल के दाईं ओर से क्रॉस को पकडने में विफल रहे।

इसके बजाय संधू ने अपने तीसरे एशियाई कप अभियान में गेंद को हल्के से उछाला, लेकिन जैक्सन इरविन ने अपनी बाईं ओर से गेंद को पटक दिया। अपने हाथ फैलाए हुए और चेहरे पर राहत भरी मुस्कान के साथ इरविन के जश्न में पुष्टि का संकेत था। ऑस्ट्रेलियाई टीम को शायद यह उम्मीद नहीं थी कि 102वीं रैंक वाली टीम इतने लंबे समय तक टिकेगी।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह एक आसान लक्ष्य था, जिसे स्वीकार कर लिया गया, क्योंकि भारतीय रक्षकों ने तब तक ऑस्ट्रेलियाई हमलावरों के लिए दरवाजा बंद रखने के लिए बहादुरी और विश्वसनीयता से लड़ाई लड़ी। एक बार स्लुइस गेट खुलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को 74वें मिनट में दूसरा गोल मिला, जब दो स्थानापन्न खिलाडियों, रिले मैक्ग्री और जॉर्डन बोस ने मिलकर भारतीय रक्षकों को मुश्किल में डाल दिया और बाद में अंत में काम पूरा किया।फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा एक कठिन लड़ाई होती है। साथ ही भारत को पता था कि यह उनके गौरव का क्षण भी था, दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा करने के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक कदम था। जैसे ही दोनों कप्तानों, सुनील छेत्री और मैथ्यू ग्यान ने जापानी रेफरी सुश्री यामाशिता योशिमी से हाथ मिलाया, भारतीय कोच इगोर स्टिमक को अपने शिष्यों पर कड़ी नजर रखते हुए देखा जा सकता था। पिच पर लालियानजुआला चांग्ते ने घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना की। मैदान पर मौजूद बड़ी संख्या में भारतीय प्रशंसकों को इस बात से गर्व और प्रोत्साहन महसूस हुआ होगा कि ब्लू टाइगर्स भले ही हार गए, लेकिन अपने शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वियों से हारे नहीं और उनकी आंखों में आंखें डालकर लडने का फैसला किया।

इंग्लैंड की टेस्ट खेलने की शैली मेरे खेल के अनुकूल है : गस एटकिंसन

नई दिल्ली , भारत के पांच मैचों के महत्वपूर्ण टेस्ट दौरे से पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन का मानना है कि मौजूदा टीम जिस तरह से प्रारूप में खेलती है वह उनके खेल के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। एटकिंसन ने इंग्लैंड के लिए सफेद गेंद से 12 मैच खेले हैं, लेकिन टेस्ट स्तर पर उन्हें कोई मौका नहीं मिला है।

एटकिंसन ने पिछली गर्मियों में पांच काउंटी चैंपियनशिप मैचों में 20.20 की औसत से 20 विकेट लिए थे, क्योंकि सरे ने लगातार खिताब जीते थे। उनकी वास्तविक गति का मतलब है कि इंग्लैंड ने उन्हें जेम्स एंडरसन, ओली रॉबिन्सन और मार्क वुड के साथ 25 जनवरी को हैदराबाद में शुरू होने वाले भारत दौरे पर शामिल किया है।यह सचमुच बहुत अच्छा रहा। अब मैं बेन स्टोक्स और बाज मैकुलम के नेतृत्व में खेलने के लिए उत्सुक हूं। टेस्ट टीम जिस तरह से खेल रही है वह मेरे खेल के अनुकूल है। आगे जो होने वाला है उसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। भारत और एशेज दो दौरे हैं जिन पर आप सबसे अधिक जाना चाहते हैं और अगले कुछ हफ्तों में जीतना अविश्वसनीय होगा।

इंग्लैंड के प्री–टूर कैंप के लिए अबू धाबी जाने से पहले एटकिंसन ने डेली मेल से कहा, हो सकता है कि जब मैं नियमित क्रिकेट नहीं खेल रहा था तो यह आत्मविश्वास की बात थी लेकिन मुझे लगता है कि मेरी गति स्वाभाविक रूप से आती है। मैं निश्चित रूप से अपना सब कुछ दे रहा हूं और ऐसा महसूस कर रहा हूं कि मेरे रन अप के आखिरी कुछ चरणों से मुझे काफी गति मिल रही है। फिर मेरे पास एक चाबुकदार भुजा है। मुझे ऐसा महसूस नहीं हो रहा है कि मैं अब अपने शरीर पर बहुत अधिक बल लगा रहा हूं।

उन्होंने इस बात का जिक्रकिया कि कैसे उनके मौजूदा काउंटी क्लब सरे ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उनमें इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों में खेलने की क्षमता है। ह्यसरे मेरे लिए बहुत अच्छे रहे हैं। उन्होंने मुझमें वह देखा जो मैंने शुरू में नहीं देखा था। एलेक स्टीवर्ट का कहना है कि उन्हें याद है कि मेरे साइन करने से पहले उन्होंने पहली बार मुझे गेंदबाजी करते हुए देखा था और मुझे लगा था कि मेरे पास कुछ है और मैं विकेट से वास्तविक गति प्राप्त कर सकता हूं। क्लब के लोग मुझसे कहते थे कि वे चाहते थे कि मैं आगे बढ़ूं, सभी प्रारूपों में खेलूं और इंग्लैंड द्वारा चुना जाऊं। मैं कहूंगा, ह्यहां, जाहिर तौर पर मैं ऐसा चाहता हूं, यह मेरा सपना है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com